दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 3 । अंक: 240 जयपुर, गुरुवार, 08 अगस्त, 2024 । श्रावण, शुक्ल पक्ष-चतुर्थी , विसं 2081 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

फोटो: राजेश कुमावत/पंकज शर्मा

सिटी पैलेस से शाही लवाजमे के साथ निकली तीज माता की सवारी

रिमझिम ने किया माता का स्वागत, ड्रोन से पुष्प वर्षा

बेधड़क.जयपुर। गुलाबी नगर जयपुर में बुधवार को हरियाली तीज पर विश्व प्रसिद्ध तीज माता की सवारी शाही लवाजमे के साथ निकली। इस दौरान रिमझिम बारिश ने माता की सवारी का स्वागत किया। श्रद्धालुओं ने भीगते हुए तीज माता की सवारी के दर्शन किए व जयकारे लगाए। जनानी ड्योढ़ी से रवाना होकर तीज माता की सवारी त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, गणगौरी बाजार होते हुए चौगान स्टेडियम पहुंची। सवारी में सबसे आगे हाथी चल रहे थे। इसके साथ शाही लवाजमे में तोप गाड़ी, शाही पालकी, रथ और बैलगाड़ियों के साथ शहर के प्रसिद्ध बैंड भी शामिल थे। इस दौरान ड्रोन के जरिए माता की सवारी पर फूल बरसाए गए।

-पेज 02 भी देखें

जरूरी खबर

राज्यसभा की रिक्त सीट के लिए उपचुनाव 3 को

जयपुर। प्रदेश में राज्य सभा की एक रिक्त सीट के उप चुनाव 3 सितंबर को होगा। इसके लिए नामांकन प्रक्रिया 14 अगस्त को अधिसूचना जारी होने के साथ शुरू होगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि राज्यसभा उप चुनाव की प्रक्रिया राज्य विधानसभा परिसर में होगी। कांग्रेसी नेता के सी वेणुगोपाल के राज्यसभा की सदस्यता छोड़ने पर रिक्त हुए स्थान के लिए यह उपचुनाव हो रहा है।

-पेज 07 भी देखें

राजस्थान में 37 हजार शिक्षकों के ट्रांसफर की तैयारी

जयपुर। राजस्थान शिक्षा विभाग एक बड़ा फेरबदल करने में जुटा है। दरअसल प्रदेश के कई शिक्षकों को अब विभाग इधर-उधर करने की तैयारी में लगा है। प्रदेश के कई स्कूल ऐसे हैं, जहां अतिरिक्त शिक्षक मौजूद हैं। वहीं कई स्कूलों में शिक्षकों का टोटा है। ऐसे में प्रदेश के 37 हजार शिक्षकों को दूसरे स्कूलों में लगाया जा सकता है। पूर्व में शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने शिक्षकों को तबादलों पर एक नई घोषणा की थी कि जो स्कूल या फिर स्कूल का अध्यापक अपने पौधारोपण का लक्ष्य पूरा करेगा, उस अध्यापक को ट्रांसफर मेरिट में 5 अंक एक्स्ट्रा मिलेंगे।

75वां राज्य स्तरीय वन महोत्सव

सीएम बोले... अगले 5 वर्षों में 50 करोड़ पेड़ लगाएंगे

‘पर्यावरण संरक्षण में भागीदारी से बनाएं हरियाळो राजस्थान’

■ हरियाली तीज पर 1 करोड़ से अधिक वृक्षारोपण ■ संरक्षण-संवर्धन के लिए होगी जियो टैगिंग

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। हम ईश्वर का वास मानकर वृक्षों, नदियों और पहाड़ों को पूजते हैं। राज्य सरकार द्वारा भी इसी सोच के साथ आज हरियाली तीज के अवसर पर एक ही दिन में प्रदेशभर में 1 करोड़ से अधिक पेड़ लगाए जाएंगे। इन पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पौधों की जियो टैगिंग भी की जाएगी। हम सभी को इस पहल में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए, ताकि हरियालो राजस्थान का निर्माण हो सके। शर्मा बुधवार को हरियाली तीज के अवसर पर दूदू के गाडोता में आयोजित 75वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव में उपस्थित जनसमूह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान वह धरा है, जहां मां अमृता देवी सहित 363 लोगों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए अपने जीवन का बलिदान किया था। पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता का यह एक बड़ा उदाहरण है।

करौली में नारेश्वर धाम में किया पौधरोपण: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने करौली के सपोटरा स्थित नारेश्वर धाम में दर्शन किए एवं परिसर में पौधरोपण किया। साथ ही, उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया।

पीएम मोदी का ‘एक पेड़ मां के नाम’ अब बन गया जनअभियान

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पर्यावरण दिवस के दिन ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान शुरू किया गया। यह उनका प्रकृति की सेवा और मां के प्रति सम्मान का अनुकरणीय भाव है। उन्होंने कहा कि यह अब जनअभियान बन गया है। शर्मा ने कहा कि मोदी की पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा से राज्य सरकार ने इस वर्ष ‘मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान’ प्रारम्भ कर 7 करोड़ पौधे लगाने का संकल्प लिया है। सरकार इस अभियान को सफल बनाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। आगामी 5 वर्षों में 50 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। सीएम ने कहा कि आमजन की सहभागिता से स्मृति वन की तर्ज पर प्रत्येक जिले में ‘मातृ वन’ की स्थापना की जाएगी।

सरकार हर वर्ग के उत्थान के लिए कर रही है कार्य: बैरवा

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार हर वर्ग के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रही है। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने वृक्षारोपण की अनुपम पहल के तहत अधिक से अधिक पेड़ लगाने का आह्वान किया। वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि राज्य में पर्यावरण संरक्षण के लिए नित नए नवाचार किए जा रहे हैं। इस अवसर पर सीएम ने विधिपूर्वक मंत्रोच्चारण के साथ पीपल का पौधा लगाकर हरियालो राजस्थान अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने पेड़ को मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से जियो टैग भी किया।

अमृता देवी विश्नोई स्मृति पुरस्कार से किया सम्मानित

मुख्यमंत्री ने महोत्सव में अमृता देवी विश्नोई स्मृति पुरस्कार के तहत वन विकास एवं वन्य जीव संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार दिए। वन विकास एवं वन्यजीव सुरक्षा श्रेणी में उदयपुर की सती की चोरी वन सुरक्षा एवं प्रबंध समिति को वर्ष 2020 के लिए पुरस्कृत किया गया। वन विकास, संरक्षण एवं वन सुरक्षा श्रेणी में नारायण लाल कुमावत (वर्ष 2019), राजसमंद के श्याम सुन्दर पालीवाल (वर्ष 2020), सीकर की अभिलाषा व भरतपुर के बच्चू सिंह वर्मा (वर्ष 2021) तथा कोटा के पवन कुमार जैन (वर्ष 2022) को सम्मानित किया गया। इसी प्रकार वन्यजीव संरक्षण एवं सुरक्षा श्रेणी में नागौर के गजेन्द्र सिंह मांझी (वर्ष-2020), उदयपुर के पदम सिंह राठौर (वर्ष 2021) तथा जयपुर के मोहित शर्मा व दिव्या शर्मा (वर्ष 2022) को संयुक्त रूप से पुरस्कृत किया गया।

विनेश डिसक्वालिफाइड, देश स्तब्ध... गोल्ड की आस टूटी

140 करोड़ की उम्मीदों पर 100 ग्राम ने फेरा पानी

एजेंसी | पेरिस/नई दिल्ली

बुधवार 7 अगस्त 2024 को 140 करोड़ लोगों की उम्मीदों पर 100 ग्राम वजन ने पानी फेर दिया। जी हां, यह 100 ग्राम वजन ही था, जिसने विनेश फोगाट को ओलंपिक कुश्ती फाइनल में खेलने वाली पहली भारतीय महिला बनने से रोक दिया। हालांकि, विनेश ने अपना वजन घटाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने अपने बाल कटवाए, कपड़े भी छोटे कर दिए। खून निकलवाया। पूरी रात सोई नहीं। पानी तक नहीं पिया, लेकिन सभी प्रयास व्यर्थ चले गए। रिपोर्ट के अनुसार 29 साल की विनेश ने मंगलवार सुबह अपने इवेंट की शुरुआत से पहले वजन मापने की प्रक्रिया पूरी कर ली थी, लेकिन रात में उनका वजन 2 किलो अधिक पाया गया। कोचों ने विनेश को पूरी रात सोने नहीं दिया, ताकि उनका तनाव बढ़ जाए। उन्होंने 12 घंटे से ज्यादा कुछ नहीं खाया-पीया और अतिरिक्त वजन कम करने के लिए लगातार जॉगिंग, स्किपिंग और साइकिलिंग की। इस कारण विनेश कमजोर, दुर्बल और डिहाईड्रेट हो गईं।

मैच के समय वजन 100 ग्राम ज्यादा: विनेश फोगाट का भारतीय समयानुसार बुधवार रात गोल्ड मेडल मैच होना था। उनका सुबह वजन किया गया। उसमें तय भार वर्ग से 100 ग्राम ज्यादा वजन निकला। विनेश और भारतीय दल के पदाधिकारियों ने ओलंपिक आयोजन समिति के सदस्यों से कुछ घंटे की मोहलत मांगी, लेकिन उनके अनुरोध को ठुकरा दिया गया।

सीएम ने लिखा-देश आपके साथ: सीएम भजनलाल शर्मा ने ‘एक्स’ अकाउंट पर लिखा, “फाइनल मैच से पूर्व 100 ग्राम ओवरवेट होने के कारण विनेश फोगाट का अयोग्य घोषित किया जाना प्रत्येक भारतवासी के लिए अत्यंत दुख का विषय है। इस कठिन परिस्थिति में समस्त राष्ट्र आपके साथ एकजुट खड़ा है।”

पूर्वी राजस्थान में आगामी 5-7 दिन जारी रहेगा बारिश का दौर

प्रदेश में कहीं झमाझम, कहीं रिमझिम से दुबकी उमस

बेधड़क | जयपुर

राजधानी जयपुर सहित कई जिलों में कहीं झमाझम तो कहीं रिमझिम ने मौसम सुहावना कर दिया। हालांकि, पिछले 4 दिन से जारी तेज बारिश का दौर बुधवार को धीमा पड़ता दिखा। पूर्वी राजस्थान के अनेक स्थानों पर फिलहाल मध्यम और कहीं-कहीं तेज बारिश का दौर चलेगा। यह बारिश आगामी 5-7 दिन जारी रहने की प्रबल संभावना है। इस दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश भी दर्ज होने की संभावना है। पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर और बीकानेर संभाग के कुछ भागों में 9 से 13 अगस्त पुनः मानसून सक्रिय होने के आसार हैं। कई शहरों अभी भी निचले इलाकों में पानी भरा है। कई लोग फंसे हैं, जिनके रेसक्यू का काम जारी है। उधर, बूंदी में मकान ढह जाने से दो बहनें मलबे में दब गईं, जिनमें से एक की मौत हो गई।

मुलाकात दिग्गजों की

प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ ने की राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा से भेंट, कई मुद्दों पर की चर्चा

- राठौड़ ने नड्डा से राजस्थान में कई जगह हुई अतिवृष्टि पर की चर्चा
- पीएमजीएसवाई के चौथे चरण में 25 हजार गांव जुड़ेंगे मुख्य मार्ग से
- राज्यसभा में राठौड़ के सवाल के जवाब में बोले मंत्री पासवान

बेधड़क | जयपुर

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने बुधवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राठौड़ ने राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष पद की नवीन जिम्मेदारी देने पर शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया। राठौड़ ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से राजस्थान में पाली, जालोर, जैसलमेर सहित अतिवृष्टि वाले जिलों को लेकर भी विस्तृत चर्चा की। उधर, प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ द्वारा राज्यसभा में पूछे गए सवाल का जवाब ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने दिया।

पीएमजीएसवाई से 5 साल में जुड़े 8848 गांव

राठौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत 2019 तक पीएमजीएसवाई योजना के तहत देशभर में 1 लाख 53 हजार 879 पात्र ग्रामों को मुख्य सड़क मार्ग से जोड़ने का कार्य किया। इसके बाद 2019 से 2024 के बीच 8848 ग्रामों को इस योजना के तहत सड़क मार्ग से जोड़ने का काम किया है। इन पांच सालों में 664 पात्र ग्रामों को सड़क मार्ग से जोड़ने से वंचित रखा गया। इसमें भी मुख्य कारण राज्य सरकार की ओर से जमीन उपलब्ध नहीं करना या फिर एनओसी जारी नहीं करना सामने आया है। पीएमजीएसवाई योजना के तहत केंद्र सरकार ने 500, 250 और 100 जनसंख्या वाले गांवों को क्षेत्र के अनुसार वर्गीकृत कर सड़क मार्ग से जोड़ने के लिए कार्य योजना बनाई थी। अब 25 हजार गांवों को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत मुख्य सड़क मार्ग से जोड़कर ग्रामवासियों को नई सौगात दी जाएगी।

राज्यसभा में राठौड़ के सवाल पर जवाब

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के चौथे चरण में देश के 25 हजार गांवों को मुख्य सड़क मार्ग से जोड़ा जाएगा। केंद्र सरकार की ओर से पिछले पांच सालों में देशभर के 8848 गांवों को मुख्य सड़कों से जोड़ने का कार्य किया है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने ग्रामीण आबादी को सड़कों से जोड़ने के संबंध में राज्यसभा में सवाल लगाया था, इसके जवाब में ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने सदन में यह जानकारी दी है।

जरूरी खबर

उपराष्ट्रपति दो दिवसीय दौरे पर 9 को आएंगे जोधपुर

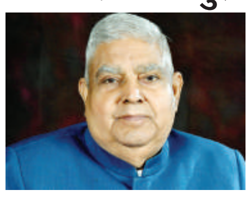

जयपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और डॉ. सुदेश धनखड़ नौ अगस्त जोधपुर के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। अपनी यात्रा के पहले दिन धनखड़ जोधपुर में न्यायिक अधिकारियों के राज्य स्तरीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि होंगे। दूसरे दिन उपराष्ट्रपति राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर के प्लेटिनम जयंती समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करेंगे। उपराष्ट्रपति जोधपुर में न्यायिक अधिकारियों के राज्य स्तरीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। उपराष्ट्रपति जोधपुर में राजस्थान उच्च न्यायालय के प्लेटिनम जयंती समारोह में मुख्य अतिथि होंगे।

भूखंडों में वर्षा जल पुनर्भरण प्रणाली होगी अनिवार्य

जयपुर। सरकार ने एक परिपत्र जारी कर प्रदेश में वर्षा के पानी द्वारा भू-जल स्तर बढ़ाने के संबंध में राज्य जल नीति के अनुसार वर्षा जल पुनर्भरण संरचना प्रणाली के निर्माण को प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया है। इसके लिए पर्यावरण संरक्षण के लिए भवन विनियम 2020 की विनियम 10.11.1 में वर्षा जल संरक्षण एवं संचयन के आवश्यक प्रावधान अनुसार 225 वर्गमीटर अथवा ज्यादा क्षेत्रफल के भू-खंडों में सैटबैक क्षेत्र में भू-गर्भ का जल स्तर बढ़ाने के लिए वाटर हार्वेस्टिंग इकाई एवं संरचना निर्मित करने का प्रावधान अनिवार्य किया है। औद्योगिक क्षेत्रों में 500 वर्ग मीटर एवं अधिक क्षेत्रफल के भू-खंडों में वर्षा जल पुनर्भरण संरचना प्रणाली का निर्माण किया जाना अनिवार्य है।

तीज महोत्सव राजस्थान की पहचान: दिया

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने तीज महोत्सव की प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं और बधाई देते हुए कहा कि तीज महोत्सव राजस्थान की अनूठी पहचान है। डिप्टी सीएम दियाकुमारी ने तीज महोत्सव के अवसर पर कहा कि बदलते समय के साथ हम नवाचार कर रहे हैं जिससे न केवल पर्यटक आकर्षित हों बल्कि हमारी नई पीढ़ी भी त्योहार को चाव से मनाए। इस बार मनाया गया तीज का उत्सव इसी का प्रतीक है कि बड़ी संख्या में जयपुर शहर वासियों और देशी-विदेशी पर्यटकों ने तीज माता की सवारी महोत्सव में सहभागिता की है।

महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय,भरतपुर का विशेष दीक्षांत समारोह आयोजित

प्रदेश के विश्वविद्यालय चरित्र निर्माण की बनें पाठशाला: बागड़े

बेधड़क | जयपुर

राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने बुधवार को राजभवन में महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर के विशेष दीक्षांत समारोह में प्रख्यात वैज्ञानिक और भारत विज्ञान संस्थान, बैंगलुरू के पूर्व निर्देशक प्रो. गोवर्धन मेहता और बफेलो यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क, संयुक्त राज्य अमेरिका के अध्यक्ष प्रो. सतीश के. त्रिपाठी को डॉक्टर ऑफ साइंस की मानद उपाधि प्रदान की। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि विश्वविद्यालय ज्ञान के प्रकाश पुंज होते हैं। समाज की विशिष्ट और परिवर्तनकारी भूमिका निभाने

वाली विभूतियों को सम्मानित करना शिक्षा की स्वस्थ परंपरा है। इससे विद्यार्थियों को भी निरंतर नया और परिवर्तनकारी अच्छा करने की प्रेरणा मिलती है। बागड़े ने संस्कारों से विद्यार्थियों के दूर होते जाने पर चिंता जताते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों में संस्कार निर्माण के लिए कार्य हो। उन्होंने कहा कि किसी आपदा में जरूरतमंद की मदद नहीं कर वीडियो बनाना संवेदनहीनता है।

उन्होंने कहा कि शिक्षक मूर्तिकार होता है। वह विद्यार्थी के जीवन को गढ़ता है, इसलिए मेरी अपेक्षा है कि प्रदेश के विश्वविद्यालय चरित्र निर्माण की पाठशाला बने। उन्होंने कॉलेज स्तर पर विद्यार्थियों को सही और क्या गलत है, इसके बारे में चिंतन शिविर आयोजित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसी शिविरों में वह स्वयं सम्मिलित होना चाहेंगे। इससे पहले विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमेश चंद्रा ने विश्वविद्यालय के कार्यों से अवगत कराया। समारोह में राज्यपाल के सचिव गौरव गोयल, विभिन्न संकायों के डीन, डायरेक्टर आदि उपस्थित रहे।

नैक एक्रीडिएशन में प्रदेश को देशभर में अग्रणी करने का किया आह्वान

राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों मे मौलिक शोध और पीएचडी कोर्सेज में राजस्थान की रैंकिग विश्वभर में अग्रणी करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने नई शिक्षा नीति के अंतर्गत aप्राचीन शास्त्रों और आधुनिक ज्ञान के आलोक में शोध पेटेंट की संख्या बढ़ाने और नैक एक्रीडिएशन में राजस्थान को देशभर में अग्रणी बनाने के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वविद्यालयों द्वारा विद्यार्थियों को इनोवेटिव, मेधावी बनाने और किताबों के बोझ से मुक्त कर उनके भीतर आत्मविश्वास भरने का कार्य करने पर जोर दिया।

हरियाली तीज पर राजस्थान में मनाया गया 75वां वन महोत्सव

‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान अब बना जन अभियान: CM

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान अब जन अभियान बन गया है।

यह अभियान उनका प्रकृति की सेवा करने एवं मां के प्रति सम्मान का भाव दर्शाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से प्रदेश में भी ‘मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान’ प्रारंभ कर इस वर्ष 7 करोड़ पौधे लगाने का संकल्प लिया गया है। हरियाली तीज के अवसर पर ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान के तहत वृहत स्तर पर पौधे लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति ‘एक पेड़ मां के नाम’ जरूर लगाए एवं उसकी देखभाल भी करे।

सीएम बुधवार को करौली जिले के सपोटरा में मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाली तीज के अवसर पर प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए सघन वृक्षारोपण के तहत संपूर्ण राजस्थान में 75वां राज्य स्तरीय वन महोत्सव मनाया गया है। इस अभियान की सफलता से विकसित राजस्थान का सपना भी साकार होगा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने हरियालो राजस्थान के अंतर्गत पौधारोपण के लिए विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। इससे पहले मुख्यमंत्री ने नारेश्वर मंदिर में दर्शन किए एवं परिसर में पौधारोपण किया। इस अवसर पर गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि हरियाली तीज के अवसर पर प्रदेशभर में सघन पौधारोपण किया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार किसान कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में किसान सम्मान निधि को बढ़ाकर 8000 रुपए किए जाने, गेहूं की एमएसपी में बढ़ोतरी करने सहित कई नीतिगत निर्णय लागू किए हैं।

युवाओं के सपने को रौंदने वालों को नहीं छोड़ेंगे: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि पेपरलीक से किसान के बेटे और युवाओं के सपनों को रौंदने वालों के खिलाफ हमारी सरकार निरंतर सख्त कार्रवाई कर रही है। हमारी सरकार इस वर्ष 1 लाख पदों पर भर्तियां करेगी, वहीं 5 वर्ष में 4 लाख नौकरियां युवाओं को देगी, जिससे युवा अपने परिवार का सहारा बन सकेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा किसानों को 6 हजार रुपए की पीएम किसान सम्मान निधि दी जा रही है। हमारी सरकार ने भी अपना वादा पूरा करते हुए किसान सम्मान निधि में 2 हजार की बढ़ोतरी की है। पहली किश्त के रूप में 1 हजार रुपए सीधे किसानों के खातों में जमा कराए गए हैं। गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य को भी बढ़ाया गया है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि को बढ़ाकर 1150 रुपए किया गया है।

सपोटरा के विकास को बजट घोषणाओं से मिली गति: भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में सपोटरा क्षेत्र के विकास के लिए अनेकों सौगातें दी गई हैं। विकास कार्यों के तहत सलेमपुर से बालोती-डाबरा-शेखपुरा-गोठरा-बरवासन देवी-नरौली-कैलादेवी सड़क मय हाईलेवल ब्रिज का निर्माण, चौड़ागांव-जोडली-पहाड़पुरा-बूकना-निशाना-कालागुडा सड़क का निर्माण, करसाई से बर्रिया सड़क का चौड़ाईकरण, कैलादेवी आस्थाधाम के बाईपास का चौड़ाईकरण, मिसिंग लिंक ग्रामीण बाईपास रोड लेदिया मोड (गैरई रोड)-गोकलपुर मोड (सपोटरा रोड)-बालाजी घाटी (गंगापुर रोड एनएच 23) तक का निर्माण कार्य करवाया जाएगा। शर्मा ने कहा कि क्षेत्र में चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार करते हुए सपोटरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का उप जिला चिकित्सालय में क्रमोन्नयन, उप जिला अस्पताल मंडरायल में भवन निर्माण कार्य, कुडगांव पशु चिकित्सालय का प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय में क्रमोन्नयन, विभिन्न विद्यालयों में मरम्मत सहित नवीन भवन निर्माण के कार्य करवाये जाएंगे। साथ ही, कुडगांव में 132 केवी जीएसएस का निर्माण, सपोटरा में बस स्टैंड संबंधी विकास कार्य भी करवाया जाएगा।

प्रकृति का ऋण चुकाने के लिए लगाएं पेड़: देवनानी

जयपुर। जिला स्तरीय वन महोत्सव के कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि प्रकृति का ऋण चुकाने के लिए अधिकतम पेड़ लगाने चाहिए। एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरित मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान (मिशन हरियालो राजस्थान) के अंतर्गत अजमेर जिले में 75 वें जिला स्तरीय वन महोत्सव का आयोजन बुधवार को बड़लिया इंजीनियरिंग कॉलेज के पास स्थित बॉटनिकल गार्डन में किया गया। इसमें एक हजार से अधिक पौधे लगाए गए। इस दिन जिले में नरेगा से 5700, वन विभाग से एक लाख 86 हजार 500, शिक्षा विभाग से एक लाख 77 हजार तथा अन्य विभागों से 22 हजार पौधों का रोपण किया

गया। जिले स्तर से ग्राम पंचायत स्तर तक वृक्षारोपण किया गया है। मुख्य जिला स्तरीय कार्यक्रम में लहरिया परिधान के साथ महिलाओं ने लोकगीतों के साथ पौधरोपण किया।

मुख्यमंत्री आज मां वाउचर योजना का करेंगे शुभारंभ

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित कार्यक्रम में संपूर्ण प्रदेश में मां वाउचर योजना का शुभारंभ करेंगे। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में शुरू हो रही इस योजना से दूर दराज के क्षेत्रों में भी गर्भवती महिलाओं को निशुल्क सोनोग्राफी की सुविधा मिल सकेगी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री बजट घोषणा की अनुपालना में दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को निशुल्क सोनोग्राफी जांच सेवा उपलब्ध करवाने के लिए मां वाउचर योजना अब संपूर्ण प्रदेश में लागू होगी। इस योजना के माध्यम से राजकीय सोनोग्राफी केंद्रों के साथ-साथ निजी सोनोग्राफी केंद्रों पर भी निशुल्क सोनोग्राफी सेवाओं का लाभ मिल सकेगा।

वैभव गहलोत समेत अन्य के खिलाफ केस दर्ज कराने की तैयारी

सड़क बनाने वाली कंपनी को दे दिया चौंप स्टेडियम बनाने का टेंडर

■ कमेटी की जांच में सामने आया कि IPL और RPL मैचों के टेंडरों में भी घोटाला

बेधड़क | जयपुर

जयपुर के चौंप में बन रहे प्रदेश के सबसे बड़े स्टेडियम के निर्माण कामों में करोड़ों रुपए का घोटाला करने का मामला सामने आया है। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) के पूर्व पदाधिकारियों ने सड़क बनाने वाले छत्तीसगढ़ की एक कंपनी को स्टेडियम के निर्माण कार्य का टेंडर देकर करोड़ों रुपए का घपला कर दिया।

बीजेपी सरकार की ओर से गठित एडहॉक कमेटी ने आरसीए के पूर्व अध्यक्ष वैभव गहलोत के कार्यकाल में हुए कामों की जांच करवाई। जांच में आईपीएल और आरपीएल के टेंडर से लेकर चौंप स्टेडियम के निर्माण कामों में भारी अनियमितताएं मिलीं। ऐसे में अब एडहॉक कमेटी वैभव गहलोत की अध्यक्षता वाली कार्यकारिणी के खिलाफ ज्योतिनगर थाने में केस दर्ज करने की तैयारी कर ली है।

आरसीए की तमाम गतिविधियों के संचालन के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से फंड दिया जाता है। उस फंड के गलत इस्तेमाल को लेकर आरसीए के पदाधिकारी सेंट्रल एजेंसियों को भी शिकायत करेंगे। पूर्व आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत के कार्यकाल के दौरान राजस्थान में एक इंटरनेशनल टी-20 मैच, आईपीएल के 5 मैच और आरपीएल के 10 से ज्यादा मैच आयोजित किए गए थे। इन मैचों के आयोजन के दौरान हुए टैंडरों में भी करोड़ों रुपए का घपला करने के कमेटी ने आरोप माने हैं।

मार्च 2024 में बनी थी एडहॉक कमेटी

दरअसल, मार्च 2024 को श्रीगंगानगर से भाजपा विधायक जयदीप बिहानी को एडहॉक कमेटी का संयोजक बनाया गया था। इसके बाद बिहानी ने आरसीए के ऑफिस के ताले खुलवाकर अकाउंट्स डिपार्टमेंट की जांच की तो चौंप स्टेडियम के निर्माण और भुगतान से संबंधित महत्वपूर्ण रिकॉर्ड नहीं मिला। इसको लेकर आरसीए के कर्मचारियों से जानकारी मांगी गई थी, लेकिन उनके पास भी यह रिकॉर्ड नहीं था। इसकी जांच के लिए एक कमेटी बनाई गई थी। जयदीप बिहानी ने बताया कि कमेटी ने 100 दिन जांच की। इस दौरान सामने आया कि करोड़ों का गबन किया गया है।

इन टेंडरों में किया घोटाला

आरसीए द्वारा सरकार को भेजी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि राजस्थान में होने वाले क्रिकेट मैच के आयोजन के दौरान गलत तरीके से टेंडर दिए जाते थे। पदाधिकारी अपनी मनपसंद फर्म को ही ठेके देने के लिए सिस्टर कंपनियों के माध्यम से गलत ठेके देते थे। इनमें स्टेडियम की सुरक्षा से लेकर स्टेडियम की सजावट, रख-रखाव, हाउस कीपिंग के साथ चीयर लीडर्स तक के ठेके शामिल हैं।

RIC में आज होगा MOU

राजस्थान में गेल इंडिया करेगी 4200 करोड़ का निवेश

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान में केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम गेल इंडिया लिमिटेड 4200 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। इससे प्रदेश में एक हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जाएगा। इसके लिए गुरुवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में गेल इंडिया और राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के बीच एमओयू किया जाएगा।

राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में राजस्थान अक्षय ऊर्जा बिजनेस प्रमोशन सम्मेलन-2024 का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान 1 हजार मेगावाट बिजली उत्पादन के

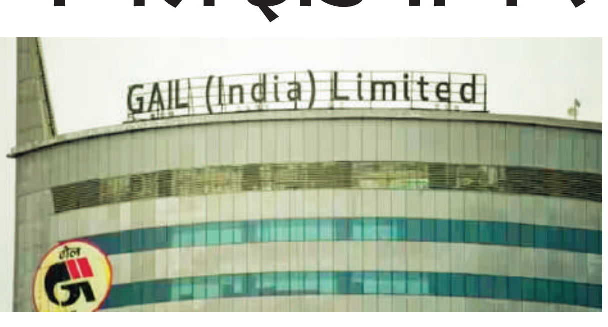

लिए गेल के साथ एमओयू होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मुख्य अतिथि होंगे। वहीं ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा आलोक ने बताया कि इस सम्मेलन में अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं से संबंधित स्टेक होल्डर्स विशेषकर विकेन्द्रित अक्षय ऊर्जा के डवलपर्स, वित्तीय संस्थानों, ईपीसी वेंडर, सोलर उपकरणों के निर्माता आदि मौजूद रहेंगे। इस अवसर पर प्रदेश को ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम तथा केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम गेल इंडिया लिमिटेड के मध्य धौलपुर में 330 मेगावाट व रामगढ़ में 270,5 मेगावाट गैस आधारित बिजली संयंत्रों को पर्याप्त मात्रा में गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए कुशल और उपयुक्त क्षमता पर संचालन के लिए हस्तांतरण करने की संभावनाओं को तलाशने के लिए और 750 मेगावाट सौर व 250 मेगावाट पवन ऊर्जा परियोजनाओं को संयुक्त उपक्रम के माध्यम से विकसित करने के लिए एमओयू किया जाएगा। इसके माध्यम से राज्य में 4200 करोड़ का निवेश होगा।

सौर ऊर्जा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सरकार प्रयासरत

राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के प्रबंध निदेशक नथमल डिडेल ने बताया कि राज्य सरकार सौर ऊर्जा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत है। राज्य में कुसुम योजना के माध्यम से किसानों को दिन में ही सस्ती बिजली उपलब्ध कराने के लिए सौर संयंत्र, पीएम सूर्य घर योजना के माध्यम से रूफटॉप सोलर स्थापित किए जा रहे हैं। सम्मेलन में ऊर्जा विभाग, विद्युत वितरण कंपनियों और अक्षय ऊर्जा निगम जैसे निगमों के साथ अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं से संबंधित स्टेक होल्डर्स को एक प्लेटफार्म उपलब्ध हो सकेगा। सम्मेलन में लगभग 700 प्रतिभागी विभिन्न तकनीकी सत्रों में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों, नवीनतम तकनीक तथा इसे आमजन तक सुलभ कराने से संबंधित विशेषज्ञों के अनुभवों का लाभ उठा सकेंगे।

सरिस्का में नहीं जा सकेगी प्राइवेट गाड़ियां और बसें

जयपुर। अलवर के पांडुपोल हनुमान जी के मंदिर तक जाने के लिए निजी वाहनों के इस्तेमाल पर अब रोक लगेगी। अब मंदिर तक शटल बसें शुरू की जाएंगी। सुप्रीम कोर्ट ने सरिस्का टाइगर रिजर्व में पांडुपोल हनुमान मंदिर के लिए सीईसी की सिफारिशों की समीक्षा की। इसमें इलेक्ट्रिक शटल बसें, बफर जोन के लिए कड़े नियम और हैबिटेट प्रबंधन में सुधार के लिया कहा गया है।

सरिस्का क्षेत्र में अनाधीकृत रूप से बने निर्माण कार्यों को रोकने के निर्देश दिए गए हैं और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के भी निर्देश दिए गए हैं। साल 2025 में अलवर के सरिस्का टाइगर रिजर्व में प्राइवेट गाड़ियां और रोडवेज बसों का संचालन बंद हो जाएगा।

इतना ही नहीं पांडुपोल के मंदिर में बनने वाले खाने पर भी रोक लग जाएगी। सरिस्का में बाघों के संरक्षण और उनके आवास को सुरक्षित करने के लिए सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी (सीईसी) ने सुप्रीम कोर्ट में रिपोर्ट पेश की थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने मुहर लगा दी है। रिपोर्ट में सीईसी ने 31 मार्च 2025 के बाद सरिस्का में सभी तरह के निजी वाहनों को प्रतिबंधित करने की सिफारिश की थी, जिसे मान लिया गया है।

जनानी ड्योढ़ी में डिप्टी सीएम और पूर्व राजपरिवार की सदस्य दिया कुमारी ने की पूजा-अर्चना

चांदी की पालकी में विराजीं तीज माता

बेधड़क | जयपुर

राजधानी में बुधवार को लवाजमे के साथ तीज की शाही सवारी निकली तो सावन ने रिमझिम फुहारों से स्वागत किया। शाही सवारी में सबसे आगे निशान चिह्न लिए हाथी, तोप गाड़ी, शाही पालकी, रथ और बैलगाड़ियों के साथ शहर के प्रसिद्ध बैंड चल रहे थे। इस दौरान ड्रोन से तीज माता की सवारी पर फूलों की वर्षा की गई। तीज माता की सवारी जनानी ड्योढ़ी से रवाना होकर त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, गणगौरी बाजार होते हुए चौगान स्टेडियम पहुंची। लोक कलाकारों ने कच्छी घोड़ी, गैर, कालबेलिया, अलगोजा, बहरूपिया और चकरी जैसे पारंपरिक नृत्य किए। सवारी में जयपुर के पूर्व राजघराने के सदस्य भी शामिल हुए। उन्होंने जनानी ड्योढी में तीज माता की पूजा की। वहीं, श्रद्धालुओं ने तीज माता को नमन किया और सुख-समृद्धि की कामना की। सवारी को देखने के लिए जयपुरवासी और देश-विदेश के पर्यटक पहुंचे।

लोक कलाकार दिखाते चल रहे थे करतब

सबसे पहले सिटी पैलेस स्थित जनानी ड्योढ़ी में डिप्टी सीएम और जयपुर के पूर्व राजपरिवार की सदस्य दिया कुमारी ने पारंपरिक अंदाज में तीज माता की पूजा-अर्चना की। शाही लवाजमे के साथ जनानी ड्योढी से चांदी की पालकी में तीज माता की सवारी निकली तो युवाओं ने ढोल बजाकर स्वागत किया। तीज माता की सवारी में सबसे आगे निशान चिह्न लिए हाथी निकला। लवाजमे में ऊंट भी शामिल रहे। इन पर लोग बंदूकों के साथ सवार थे। ऊंटों पर बैठे कलाकारों ने अपनी बड़ी-बड़ी मूंछों का प्रदर्शन किया। बारिश की फुहारों के बीच भी लोक कलाकार उत्साह के साथ कच्छी घोड़ी नृत्य कर रहे थे। तीज की सवारी निकलने पर कलाकारों ने कालबेलिया नृत्य की प्रस्तुति दी। कई कलाकार बहरूपिया बनकर आए, जो सैलानियों के आकर्षण का केंद्र बने।

पर्यटन विभाग ने किया फोटो कॉन्टेस्ट का आयोजन: पर्यटन विभाग की ओर से पर्यटकों के बैठने के लिए कुर्सियां भी लगाई गई थीं। इस बार पर्यटन विभाग की ओर से फोटो कॉन्टेस्ट आयोजित किया गया। सोशल मीडिया अकाउंट्स पर प्रतिभागी तीज महोत्सव से जुड़ी पांच-पांच फोटो भेजकर इसमें हिस्सा ले सकते हैं। तीज की सवारी से पहले बारिश का दौर शुरू हो गया।

आज निकलेगी बूढ़ी तीज की सवारी: तीज माता की सवारी जैसे ही छोटी चौपड़ पर पहुंची तो चारों तरफ भीड़ जुट गई। तीज की सवारी त्रिपोलिया गेट, छोटी चौपड़, गणगौरी बाजार, चौगान स्टेडियम होते हुए तालकटोरा स्टेडियम पहुंचकर संपन्न हुई। यहां तीज माता को पानी पिलाया गया। गुरुवार को बूढ़ी तीज की सवारी निकाली जाएगी।

त्रिपोलिया गेट पर पद्मनाभ सिंह ने किया पूजन

तीज की सवारी जब त्रिपोलिया गेट पहुंची तो जयपुर के पूर्व राजपरिवार के सदस्य पद्मनाभ सिंह ने पूरे रीति-रिवाज के साथ तीज माता की पूजा-अर्चना की। पूजा करने के बाद पद्मनाभ सिंह ने तीज माता को झुककर नमन किया। इस दौरान लोगों ने पुष्प वर्षा की। तीज माता की सवारी के पीछे-पीछे महिलाएं सिर पर कलश रखकर चल रही थीं। लोग छतों से तीज माता की सवारी देख रहे थे। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस के जवान मौजूद रहे। तीज की सवारी के दौरान बैरिकेड्स लगाकर वाहनों और लोगों की आवाजाही को रोका गया। बैरिकेड्स के दूसरी ओर तीज माता की सवारी देखने इकट्ठे हुए लोग। तीज की सवारी देखने के लिए बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक त्रिपोलिया गेट पहुंचे।

जरूरी खबर

ठाकुरजी को धूप झांकी में घेवर का लगाया भोग

जयपुर। श्रावण तीज पर बुधवार को आराध्य देव गोविंद देव जी में ठाकुर जी का विशेष श्रृंगार किया गया। इस अवसर पर ठाकुर जी ने लाल रंग लप्पा पोशाक धारण की। ठाकुर जी को धूप झांकी में घेवर का भोग अर्पण किया गया। इसी के साथ ठाकुरजी के समक्ष छप्पन भोग झांकी सजाई गई। मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में ठाकुरजी को झूला झूलाया गया। तुलसा मंच पर मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी तुलसी का वेद मंत्रोच्चार के साथ पूजन किया। इसके बाद सेवायतों और भक्तों के साथ तुलसीजी के पौधे को सिर पर रखकर परिक्रमा की। ठाकुर श्रीजी को 108 तुलसी की माला धारण करवाई। इसी दौरान भक्तों को तुलसी के पौधे भी बांटे गए। मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि आमेर रोड कनक घाटी स्थित मंदिर श्री काला महादेव जी के पौधारोपण भी किया गया।

जन्माष्टमी की पूर्व संध्या पर 25 को होगा महारास

जयपुर। श्री कृष्ण जन्माष्टमी की पूर्व संध्या पर 25 अगस्त को दुर्गापुरा स्थित राज्य कृषि प्रबंध संस्थान के सभागार में लोहागढ़ विकास परिषद के तत्वाधान में बाल-गोपाल, माखन चोर, बालकृष्ण लीला एवं महारास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। परिषद के अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार गुलाब बत्रा एवं सचिव डॉ. प्रदीप चतुर्वेदी ने बताया कि महारास में अंतरराष्ट्रीय स्तर के लोक कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम संयोजक गोपाल गुप्ता के अनुसार बाल-गोपाल, माखन चोर प्रतियोगिता के लिए चार वर्ष आयु तक के बच्चों का पंजीयन किया जा रहा है। इस अवसर पर श्री कृष्ण के बाल, किशोर एवं युवावस्था के लीला प्रसंगों की प्रस्तुति भी दी जाएगी।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खब़र, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

मुहाना मंडी फल-सब्जी थोक विक्रेता संघ के चुनाव

तंवर कार्यवाहक अध्यक्ष, देवेन्द्र सचिव बने

बेधड़क | जयपुर

जयपुर फल व सब्जी थोक विक्रेता संघ के चुनाव में बुधवार को सर्वसम्मति से योगेश तंवर को कार्यवाहक अध्यक्ष और देवेन्द्र कुमार जैन को सचिव बनाया गया। चुनाव से पहले मंडी सदस्यों की मौजूदगी में आमसभा हुई, जिसमें संगठन के सभी सदस्यों ने भाग लिया। अध्यक्ष पद के लिए दो नाम में योगेश तंवर और पप्पू कुरैशी के नाम का प्रस्ताव आया। इसके बाद सभी व्यापारियों ने चर्चा कर अपने-अपने प्रत्याशियों को समर्थन देने

की बात कही। मंडी कार्यकारिणी समिति सदस्य इंद्र कुमार सैनी ने बताया कि संगठन के उपाध्यक्ष मो. अलादिया कुरैशी उर्फ पप्पू भाई ने अपना नाम वापस ले लिया। इसके बाद सर्वसम्मति के आधार पर यह निर्णय लिया गया कि योगेश तंवर को कार्यवाहक अध्यक्ष बनाया जाए। इस पर पप्पू कुरैशी और सभी सदस्यों ने अपनी सहमती प्रदान की। इसके बाद योगेश तंवर को कार्यवाहक अध्यक्ष और देवेन्द्र कुमार जैन को सचिव बनाया गया। मंडी कार्यवाहक अध्यक्ष चुने जाने के बाद योगेश तंवर ने कहा कि व्यापारियों के साथ हितों के लिए संघर्ष लगातार करते रहेंगे। इसके साथ ही मंडी प्रशासन के साथ सामंजस्य रखकर मुद्दों को उठाया जाएगा। बता दें कि हाल ही में पूर्व अध्यक्ष राहुल तंवर का निधन हो गया था।

राज्य सरकार ने ऐप के इस्तेमाल पर लगाई रोक

अब जूम पर नहीं होगी कोई भी सरकारी मीटिंग

बेधड़क | जयपुर

सरकारी कार्यों में अब भजनलाल सरकार जूम मीटिंग एप का उपयोग नहीं करेगी। प्रशासनिक सुधार व समन्वय विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि इसको लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय के साइबर केंद्र द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। साइबर सुरक्षा के तहत जूम मीटिंग एप को सरकारी कार्य के लिए असुरक्षित माना गया है। ऐसे में अब राज्य सरकार ने इसके इस्तेमाल पर पूरी तरह से रोक लगा दी है।

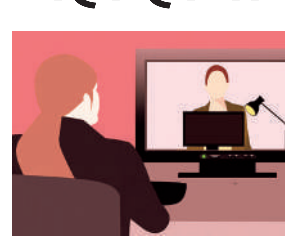

आदेश में कहा गया है कि प्रायः देखा गया है कि राजकीय कार्यलयों में मीटिंग के लिए जूम एप का उपयोग किया जाता है, जो केंद्रीय गृह मंत्रालय की एडवाइजरी के लिहाज से असुरक्षित है। कोविड-19 महामारी के चलते पूरे देश में लॉकडाउन का असर निजी और सरकार कामकाज पर पड़ा था। इसके बाद डिजिटल प्लेटफार्म से वर्क फ्रॉम होम शुरू हुआ। ऑफिस के कर्मचारी घर से काम करने लगे तो स्टूडेंट्स ने भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म के जरिए पढ़ाई की। मंत्री से लेकर अधिकारी तक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक और काम की समीक्षा करने लगे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए वीडियो कॉलिंग एप जूम का खूब इस्तेमाल हुआ। इस एप का लगातार उपयोग बढ़ता जा रहा है, लेकिन अब केंद्रीय गृह मंत्रालय ने वीडियो कॉलिंग या कॉन्फ्रेंसिंग में जूम ऐप को सुरक्षित नहीं माना है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस पर एक एडवाइजरी कर कहा कि ये एप सुरक्षित नहीं है। लोग इसका सावधानी से इस्तेमाल करें। गृह मंत्रालय ने इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम के हवाले से कहा कि जूम सुरक्षित प्लेटफार्म नहीं है। ये एडवाइजरी खासकर उन लोगों के लिए जारी की गई है, जो इसका इस्तेमाल अपने पर्सनल हित के लिए करते हैं।

जयपुर शहर और जयपुर देहात जिला कांग्रेस कमेटी ने दिया धरना

ग्रेटर और हेरिटेज निगम को एक करने के विरोध में उतरी कांग्रेस

बेधड़क | जयपुर

जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी और जयपुर देहात जिला कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में शहर अध्यक्ष आरआर तिवाड़ी और जयपुर देहात अध्यक्ष गोपाल मीणा के नेतृत्व में अघोषित बिजली कटौती, बिजली की दरों में की गई वृद्धि और दो नगर निगम के एकीकरण के विरोध में बुधवार को कलेक्ट्रेट सर्किल पर धरना दिया गया। जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आर आर तिवाड़ी ने कहा कि यह पर्ची की सरकार सोई हुई है इसको जगाने की जरूरत है। प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री व जयपुर शहर प्रभारी रोहित बोहरा ने कहा कि राज्य में अराजकता फैली हुई है कानून व्यवस्था चौपट हो रही है। देहात कांग्रेस अध्यक्ष गोपाल मीणा ने कहा कि आज गांव में अघोषित बिजली कटौती चल रही है बिजली के दरों में वृद्धि की जा रही है। गांव में हाहाकार मची हुई है सरकार को इसके ऊपर विशेष ध्यान देना चाहिए अन्यथा बड़े आंदोलन किए जाएंगे।

अतिरिक्त कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

विशाल धरने को पूर्व मंत्री ब्रजकिशोर शर्मा, पूर्व विधायक गंगा देवी ,पूर्व राज्य मंत्री राम सिंह राव, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता राजेंद्र आर्य, आरसी चौधरी, राजेंद्र यादव, जिला कांग्रेस कमेटी के संगठन महामंत्री सीताराम शर्मा नेहरू, पूर्व उपाध्यक्ष विप्र कल्याण बोर्ड मंजू शर्मा, नरेंद्र वशिष्ठ असगर, अहमद अतुल पारस, मंसूर आलम, नगर निगम ग्रेटर के नेता प्रतिपक्ष राजीव चौधरी, उप नेता भारत मेघवाल, ब्लॉक अध्यक्ष कैलाश खारड़ा, जावेद सेठी, रामावतार मोगरा, हरेंद्रपाल सिंह जादौन ने संबोधित किया। आर आर तिवाड़ी के नेतृत्व में कांग्रेसी नेताओं ने धरने के बाद अतिरिक्त कलेक्टर राजकुमार को ज्ञापन सौंपा।

धरने में ये नेता हुए शामिल

धरने में जयपुर शहर के मोहम्मद सलीम, विनय पाल सिंह जादौन, शैलेश भार्गव, राजेश कुमार जाजोरिया, गजनफर अली, बद्रीनारायण कुमावत, रमेश कुमावत, युगल किशोर शर्मा, बब्लेश शेख, महबूब इमरान खान, छोटी बेरी पार्षद रानी लुबना, रतन सैनी, सचिन चतुर्वेदी, रतन सिंह भाटी, भूपेंद्र मीना, साकिर खान, वाहिद खान, आशीष परेवा, कानाराम मीणा, विक्रम सिंह पंवार, श्याम बिहारी गर्ग, रामेश्वर शर्मा, मदन सोलंकी सहित और देहात के सदस्य प्रदेश कांग्रेस, प्रदेश पदाधिकारी सहित कांग्रेसी नेता कार्यकर्ता शामिल हुए।

चुनाव लड़ने वाले नेता नहीं आए

जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी और देहात जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से किए गए धरना-प्रदर्शन में संगठन से जुड़े पदाधिकारी और कार्यकर्ता तो पहुंचे, लेकिन विधानसभा और लोकसभा का चुनाव लड़ने वाले नेता नहीं आए। जयपुर शहर से सांसद प्रत्याशी और सिविल लाइंस से विधायक प्रत्याशी प्रताप सिंह खाचरियावास, जयपुर ग्रामीण सांसद प्रत्याशी अनिल चोपड़ा, आदर्श नगर से कांग्रेस विधायक रफीक खान, आमेर विधायक प्रशांत शर्मा और किशनपोल विधायक अमीन कागजी धरने में नहीं पहुंचे। मालवीय नगर से विधायक प्रत्याशी डॉ. अर्चना शर्मा, सांगानेर से प्रत्याशी पुष्पेंद्र भारद्वाज, बगरू से कांग्रेस प्रत्याशी गंगादेवी और झोटवाड़ा से कांग्रेस प्रत्याशी अभिषेक चौधरी भी धरने पर नहीं पहुंचे। इसके अलावा जयपुर ग्रामीण से विधायक और कांग्रेस प्रत्याशी भी धरने में नहीं पहुंचे। इस पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरआर तिवाड़ी ने कहा कि हो सकता है, वे बारिश में फंस गए हों। पार्टियां कार्यकर्ताओं के भरोसे ही लड़ाइयां लड़ती हैं, नेताओं के भरोसे नहीं। इस धरने में जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरआर तिवाड़ी, जयपुर देहात जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोपाल मीणा, वंशावली संरक्षण प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष रामसिंह राव, पूर्व मंत्री बृजकिशोर शर्मा आदि मौजूद रहे।

जरूरी खबर

आबादी में घुसा मगरमच्छ, टीम ने किया रेस्क्यू

धौलपुर। सरमथुरा उपखंड के भमपुरा गांव में चंबल नदी से निकलकर मगरमच्छ आबादी में घुस गया। अंबेडकर पार्क में खेल रहे बच्चों के पास मगरमच्छ के पहुंचने से दहशत फैल गई। सूचना पर मौके पर पहुंचे कर्मचारियों ने करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद मगरमच्छ को रेस्क्यू किया और चंबल में सुरक्षित छोड़ दिया गया। वनपाल बने सिंह ने बताया भमपुरा गांव में चंबल नदी से आबादी में मगरमच्छ घुसने की सूचना मिली थी।

दीवार ढही, मलबे में दबने से बुजुर्ग की मौत

धौलपुर। मनिया थाना क्षेत्र के जसुपुरा गांव में बुधवार को बारिश से दीवार ढह गई। इसके मलबे में एक बुजुर्ग दब गया। घायल बुजुर्ग की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक 65 वर्षीय हुकम सिंह पुत्र मेघ सिंह निवासी जसुपुरा बुधवार तड़के मकान में सो रहा था। अधिक बरसात होने की वजह से भरभरा कर पक्की दीवार ढह गई। दीवार के मलबे में बुजुर्ग दब गया। घटना से गांव में हड़कंप मच गया। लोगों ने मलवे से बाहर निकाल कर बुजुर्ग को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन उपचार के दौरान बुजुर्ग की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा कर डेड बॉडी परिजनों को सौंप दी है।

खाजूवाला पहुंचे बीएसएफ आईजी एमएल गर्ग

बीकानेर। राजस्थान फ्रंटियर सीमा सुरक्षा बल महानिरीक्षक एमएल गर्ग स्वतंत्रता दिवस के पूर्व एवं बदले अंतरराष्ट्रीय हालात के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय सीमा का जायजा लेने 114 बटालियन सीमा सुरक्षा बल खाजूवाला पहुंचे। इस दौरान महेंद्र सिंह, कमांडेंट 114 बटालियन ने अगवानी की। इस दौरे में उनके साथ सेक्टर बीकानेर कार्यवाहक डीआईजी सुब्रत राय (समादेष्टा), उप समदेष्टा (सामान्य) महेश चंद जाट एवं प्रशांत टंडन (सहायक कमांडेंट / वर्क्स) भी आए। इस दौरान महानिरीक्षक राजस्थान फ्रंटियर द्वारा वाहिनी क्वार्टर गार्ड का निरीक्षण और सैनिक सम्मेलन लिया गया। इस दौरान उन्होंने महिला कार्मिकों की भी हौसला अफजाई की।

लूणी नदी बही तो नाचने लगे ग्रामीण, ढोल-थाली के साथ किया वेलकम

मारवाड़ की 'मरुगंगा' में आया पानी, चुनरी ओढ़ा किया स्वागत

बेधड़क | बाड़मेर

पश्चिमी राजस्थान में लूणी नदी बुधवार सुबह जब अजमेर और जोधपुर से होते हुए बाड़मेर के रेगिस्तानी इलाके में पहुंची तो लोग नाचने लगे। पांच साल में दूसरी बार लूणी नदी उफान पर आई है। इससे पहले एक साल पहले बिपरजॉय के दौरान ये इस नदी में पानी आया था।

लूणी नदी में पानी की आवक के बाद लोगों में जबरदस्त तरीके की खुशी देखी गई। बुधवार को स्थानीय लोगों ने चुनरी ओढ़ाकर और विधिवत पूजा-अर्चना कर लूणी नदी का स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों पर युवाओं से लेकर महिलाएं और बुजुर्ग भी नाचते-गाते नजर आए। प्रदेश में पांच दिन से मानसून की सक्रियता के चलते क्षेत्र में मूसलाधार बरसात हो रही है। पाली शहर सहित आस-पास के क्षेत्र में लगातार बारिश के बाद बांडी नदी में पानी का दो दिन पहले ही बहाव शुरू हो गया था। इसके साथ ही जालोर, बालोतरा व जोधपुर जिले में मूसलाधार बरसात होने से किसानों व जिलेवासियों को नदी में पानी की आवक होने की उम्मीद थी।

मूसलाधार बारिश के कारण बालोतरा के रामपुरा से होते हुए मंगलवार शाम को समदड़ी की रपट पार गई। लूणी नदी के बहाव को देखने के लिए यहां बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। बुधवार सुबह ग्रामीण ढोल-थाली के साथ पहुंचे और लूणी नदी का स्वागत किया गया।

नदी के पुल पर दो फीट की चादर

लूणी नदी का रामपुरा, अजीत, मियों का बाड़ा, भलरों का बाड़ा से होते हुए मंगल प्रवेश हुआ। पानी की स्पीड तेज होने पर कुछ ही देर में समदड़ी रपट पर दो फीट से अधिक पानी का बहाव शुरू होने पर वाहनों का आवागमन बंद हो गया। नदी में पानी आने की खुशी इतनी थी कि कुछ ही देर में गांव की महिलाएं, बुजुर्ग और युवा बड़ी संख्या में मौके पर जुटे। ग्रामीण यहां ढोल-थाली लेकर नदी किनारे पहुंचे। इसके बाद महिलाओं ने मंगल गीत गाते हुए पूजा-अर्चना की। नदी आने की खुशी इस कदर थी कि बुजुर्ग से लेकर युवा तक नदी में उतर कर नाचने लगे। इससे पहले लूणी नदी का पानी जोधपुर-बाड़मेर जिले की सीमा से सटे धुंधाड़ा गांव में पहुंची तो यहां भी बड़ी संख्या में लोग जुटे। नदी के पुल पर अभी दो फीट की चादर चल रही है।

कुएं हो जाएंगे रिचार्ज

ग्रामीणों ने बताया कि फैक्ट्रियों के दूषित पानी की वजह से ये नदी भी प्रदूषित हो गई थी, लेकिन जब जब नदी में पानी आया है तो प्रदूषित पानी बहकर आगे की तरफ जा चुका है। अब इस पानी से आस-पास के कुएं भी रिचार्ज हो जाएंगे। लूणी नदी अजमेर से निकल कर पाली, बाड़मेर, जालोर जिलों से बहती हुई गुजरात के कच्छ के रण में मिल जाती है। लूणी नदी में पानी का बहाव होने पर ही पाली से समदड़ी, बालोतरा व आगे सिणधरी क्षेत्र में नदी के किनारे बसे गांवों में कृषि कुएं रिचार्ज होते हैं। पांच साल पहले नदी में एक पखवाड़े तक बहाव होने पर कुओं का जलस्तर काफी बढ़ा था। इससे किसान अब तक रबी व खरीफ की बुवाई कर अच्छी पैदावार ले रहे हैं। इस बार मानसून की बरसात सभी जिलों में अच्छी होने पर करीब 15 से 20 दिन तक पानी का बहाव रहा तो आगामी तीन-चार साल तक के लिए कुएं रिचार्ज हो जाएंगे।

चित्तौड़गढ़ में काल बनकर सड़क पर दौड़ा कंटेनर

कंटेनर ने एक ही परिवार के पांच लोगों को कुचला, मौत

बेधड़क | चित्तौड़गढ़

जिले के निंबाहेड़ा थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से जख्मी एक बच्ची को इलाज के लिए निंबाहेड़ा जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। सदर थाना प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि चित्तौड़गढ़ फोरलेन हाईवे पर मंगलवार रात सड़क हादसा हो गया।

यहां कंटेनर ने बाइक सवार 5 लोगों को कुचल दिया। सभी की मौके पर ही मौत हो गई। मरने वालों में पति-पत्नी और उनके बच्चे शामिल हैं, वहीं एक तीन साल की बच्ची दूर जा गिरी थे, उसे निंबाहेड़ा के सरकारी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। बाइक पर कुल 6 लोग सवार थे। ये लोग चित्तौड़गढ़ से निंबाहेड़ा की ओर तरफ जा रहे थे। पुलिया पर तेज गति से आ रहे एक कंटेनर ने बाइक को टक्कर मार दी।

हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। वाहन की गति का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतकों में चित्तौड़गढ़ के निंबाहेड़ा के शंभुपुरा के केसरपुरा निवासी रोशन (32) पुत्र माधु, रामकन्या (30) पत्नी रोशन, तारा (11) पुत्री रोशन, गंगापुरसिटी के परोजी का खेड़ा के बागोर निवासी रोशन का साला नारू और चित्तौड़गढ़ के भदेसर के पीपलवास निवासी रोशन का दोस्त जीवन (38) की मौत हो गई। वहीं रोशन की बेटी महिमा उर्फ मैमा (1) घायल है। घायल बच्ची को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

■ निंबाहेड़ा-चित्तौड़गढ़ फोरलेन हाईवे पर भीषण सड़क हादसा

■ हादसे में नाबालिग बेटी समेत पांच जनों ने मौके पर तोड़ा दम

सबसे पहले फैक्ट्री के मजदूरों ने देखा हादसा

पुलिस ने बताया कि जहां पर यह दर्दनाक हादसा हुआ, वहां से 5 से 7 किमी के बीच कुछ फैक्ट्रियां हैं। रात को काम खत्म करके ये मजदूर अपने-अपने घर जा रहे थे। उन्होंने हाईवे पर यह हादसा होते देखा। मजदूरों ने सबसे पहले पूर्व सरपंच यशवंत मेहता को घटना की जानकारी दी। इसके बाद सरपंच यशवंत मेहता ने पुलिस को घटना की जानकारी दी।

आसपास फैक्ट्रियों में काम करते थे सभी

पुलिस की जांच में सामने आया है कि मृतक पति-पत्नी, साला और उसका दोस्त चारों निंबाहेड़ा के आसपास की फैक्ट्रियों में मजदूरी करते हैं। मंगलवार को सभी चित्तौड़गढ़ में एक फैक्ट्री में मजदूरी कर सावा, शंभुपुरा में एक दोस्त के यहां रूके। यहां से वे नारू के साले शांतिलाल के घर सतराना, नीमच, मध्यप्रदेश के लिए निकले। इसी दौरान ये हादसा हो गया। फिलहाल, पुलिस ने मृतकों के परिजनों को हादसे को लेकर सूचित कर दिया है। परिजनों के आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राजसमंद में प्राणघातक हमले का मामला

पिता और पुत्र को दस-दस साल के कारावास की सजा

बेधड़क | राजसमंद

जिले में बजरी दोहन को लेकर तकरार के बाद प्राणघातक हमले के मामले में सुनवाई करते हुए अनुसूचित जाति एवं जनजाति विशिष्ट न्यायालय राजसमंद की न्यायाधीश अभिलाषा शर्मा ने आरोपी पिता व पुत्र को दोषी करार देते हुए 10-10 साल के कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही प्रत्येक को 26 हजार 500 रुपए के अर्थदंड से भी दंडित किया है।

एससी एसटी कोर्ट राजसमंद के विशिष्ट लोक अभियोजक राजकिशोर ब्रजवासी ने बताया कि परिवादी पप्पू ने 4 अप्रैल, 2017 को कुंवारिया थाने में रिपोर्ट दी थी। उन्होंने बताया कि रात में फियावडी पंचायत के नाथूवास गांव में उसके निजी खेत के पास किशन कुमावत, प्रकाश कुमावत व उसके पिता उनके खेत से अवैध रेती दोहन कर रहे थे। इस पर पप्पू के पिता जगदीशचंद्र व भाई मुकेश ने मौके पर पहुंचकर आरोपियों को खेत के पास बजरी खनन नहीं करने के लिए टोका तो आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी।

जगदीश चंद्र बजरी खनन का विरोध करते हुए मना करते रहे तो आरोपियों ने सरिये व लाठियों से हमला कर दिया। इससे उसके पिता के सिर व आंख पर जबरदस्त चोट आई और वह घायल हो गए। उसके भाई मुकेश ने बीच-बचाव किया तो उसके भाई के हाथों-पैरों में भी इन लोगों ने सरियों से वार किए। इससे वह भी घायल हो गया। साथ ही जातिगत गाली-गलौच करने के भी आरोप थे। हालांकि न्यायालय में पक्ष-विपक्ष को सुनने, साक्ष्य, दस्तावेजी साक्ष्य व गवाह को सुनने पर जातिगत गाली-गलौच नहीं पाया गया। जानलेवा हमले को सही माना गया। बताया गया कि घटना में उसके पिता के सिर में ज्यादा रक्तस्राव होने से वे कोमा की स्थिति में पहुंच गए। जांच के बाद एससी-एसटी कोर्ट राजसमंद में आरोप पत्र प्रस्तुत किया।

दुष्कर्मी को 20 साल का कारावास

बेधड़क | श्रीगंगानगर

श्रीगंगानगर की यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पोक्सो एक्ट) मामलों की विशेष अदालतने आरोपी युवक को किशोरी से दुष्कर्म करने के आरोप में 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। न्यायाधीश सुरेंद्र खरे ने अभियुक्त अमृतपाल सिंह को किशोरी से दुष्कर्म करने का दोषी मानते हुए उस पर 20 हजार रुपए का जुर्माना भी किया।

विशिष्ट लोक अभियोजक गुरचरण सिंह रूपाणा ने बताया कि 19 अक्टूबर, 2021 को एक व्यक्ति ने अपनी 14 साल की पुत्री के साथ लालगढ़ थाना में आकर एक रिपोर्ट दी थी। इस रिपोर्ट में उसने बताया कि उसकी नाबालिग पुत्री को एक युवक डरा धमकाकर अपने घर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। उसने उसे धमकाया कि यदि यह बात अपने घर पर बताई तो वह उसको और उसके परिवार को जान से मार देगा। उसकी पुत्री पहले कई दिन सहमी रही, फिर एक दिन उसने हिम्मत जुटा कर परिजनों को सारी बात बताई। पुलिस ने पिता की रिपोर्ट के आधार पर पॉक्सो व अन्य संबंधित धाराओं में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। इसकी जांच सब इंस्पेक्टर जयवीर को सौंपी गई। जांच प्रक्रिया के दौरान पुलिस ने घटनास्थल का नक्शा तैयार किया, वहीं पीड़िता का मेडिकल मुआयना करवाया गया। पुलिस ने जांच-पड़ताल के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और कोर्ट के आदेश पर उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पॉक्सो कोर्ट के विशिष्ट न्यायाधीश सुरेंद्र खरे ने इस मामले में फैसला सुनाते हुए आरोपी को 20 वर्ष के कठोर कारावास और 20 हजार जुर्माने से दंडित किया है। जुर्माना अदा नहीं करने पर उसे दो माह का अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी।

सांवलिया सेठ दान पात्र से अब तक निकले 10 करोड़

चित्तौड़गढ़। प्रसिद्ध कृष्ण धाम श्री सांवलिया सेठ मंडफिया के दानपात्र से अब तक 10 करोड़ से ज्यादा की नकदी निकल चुकी है। गिनती अभी भी जारी है। 3 अगस्त को कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को श्रीसांवलिया सेठ के राजभोग आरती के बाद मंदिर मंडल अध्यक्ष और मंदिर मंडल प्रशासन समेत सदस्यों के मौजूदगी में दानपात्र खोला गया था। पहले राउंड की गिनती में 6 करोड़ 11 लाख और दूसरे चरण में 4 करोड़ 20 लाख 45 हजार रुपए के नोटों की गिनती हो सकी थी। तीसरे राउट की गिनती चल रही है। दानपात्र से निकली राशि के अलावा भेंट कक्ष और ऑनलाइन मिलने वाले दानराशि की गिनती और सोने-चांदी का तौल होना अभी बाकी है।

कोटा से बुलाई गई NDRF की विशेष टीम

मेनाल झरने में बहे युवक का तीसरे दिन NDRF टीम ने खोजा शव

बेधड़क | चित्तौड़गढ़

जिले के बेगूं थाना क्षेत्र में स्थित पर्यटन स्थल मेनाल के झरने में सोमवार दोपहर बहे युवक का शव करीब 48 घंटे बाद मिला है। झरने में नीचे गिरने के बाद करीब 60 फीट दूर तक यह युवक कर बह कर गया।

एनडीआरएफ की टीम ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया था। डेढ़ घंटे की तलाशी के बाद बुधवार को शव मिल गया। बरसात के मौसम में मेनाल का झरना पूरे वेग से बह रहा है। यहां बड़ी संख्या में लोग पर्यटन के लिए आ रहे हैं। भीलवाड़ा निवासी कन्हैयालाल बैरवा भी सोमवार को अपने मित्र अक्षित के साथ पिकनिक मनाने के लिए मेनाल झरने पर आया था।

यहां सेल्फी लेने के दौरान संतुलन बिगड़ गया तथा यह पानी में झरने की और बहने लगा। जहां से झरना गिरता है उसके थोड़े पहले लगी चैन को इसने पकड़ लिया था। लोगों ने इसे बचाने का भी प्रयास किया, लेकिन बाद में यह 150 फीट की ऊंचाई से झरने में गिर गया। तब से ही सिविल डिफेंस चित्तौड़गढ़ व एनडीआरएफ की टीम तलाश में जुटी हुई थी। शव नहीं मिलने पर मंगलवार को कोटा से एनडीआरएफ की विशेष टीम को बुलाया गया जो पानी के भीतर जाकर तलाश करती है। मंगलवार शाम को अंधेरा होने तक शव का कहीं पता नहीं चल पाया। इस पर अभियान रोक दिया गया था, वहीं बुधवार सुबह करीब 5:30 बजे ही एनडीआरएफ की टीम जोगणिया माता पुलिस चौकी के कांस्टेबल सुनील व सुरेंद्र के साथ झरने के पानी में उतरी। करीब डेढ़ घंटे तक यहां तलाशी अभियान चलाया गया, जहां झरना गिर रहा है उससे 60 फीट की दूरी पर युवक कन्हैया का शव मिल गया। इसके शव को निकाल कर टीम ऊंचाई पर लेकर आई है। शव को एंबुलेंस की सहायता से बेगूं चिकित्सालय पहुंचाया गया।

NDRF की टीम ने 100 फीट गहराई से निकाला बच्ची का शव

कोटा। सांगोद कस्बे के कुराडिया खुर्द गांव में उजाड़ नदी में डूबी मासूम बच्ची के शव को राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीम ने रेस्क्यू किया है। बच्ची का शव घटनास्थल से 100 फीट गहराई में बुधवार सुबह मिला। बच्ची का दो दिन पहले ही माता-पिता ने बर्थ सर्टिफिकेट बनवाया था। एसडीआरएफ टीम इंचार्ज हेड कांस्टेबल मुकेश कुमार ने बताया कि सात साल की सोना खंडेला किशनगंज जिला बारां की रहने वाली थी। मंगलवार दोपहर नदी में नहाने गई थी।

उसके साथ और भी बच्चे थे। नहाते समय पैर फिसलने से बच्ची नदी में डूब गई। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी एसडीआरएफ को दी। टीम ने मौके पर पहुंचकर डेढ़ घंटे रेस्क्यू किया, लेकिन बच्ची का पता नहीं लगा। बुधवार सुबह जल्दी रेस्क्यू शुरू किया गया। बच्ची को कालीघाट उजाड़ नदी से 100 फीट गहराई से बाहर निकाला गया। बच्ची के माता-पिता किसी के खेत पर मजदूरी करते हैं। एक दिन पहले ही माता-पिता सोना का बर्थ सर्टिफिकेट लेने और अन्य काम से अपने गांव गए थे।

फाइनल में ग्रेनाडा के एंडरसन और पाक के अरशद नदीम से मिलेगी चुनौती

नीरज चोपड़ा आज लगाएंगे दूसरे गोल्ड पर निशाना

बेधड़क | पेरिस

भारत में गॉल्डन बॉय के नाम से मशहूर भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा गुरुवार की रात ओलंपिक में लगातार दूसरे स्वर्ण पदक के लिए उतरेंगे। नीरज ने क्वालिफिकेशन में दमदार प्रदर्शन किया था और पहले ही प्रयास में 89.34 मीटर का थ्रो कर फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया था।

नीरज ने टोक्यो ओलंपिक की तरह यहां भी कुछ सेकेंड में फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया था, लेकिन इस बार पिछले ओलंपिक की तुलना में चुनौती अधिक कड़ी है। कुल नौ खिलाड़ियों में से पांच ने नीरज की तरह अपने पहले थ्रो में ही फाइनल में जगह बना ली थी। नीरज फाइनल में ओलंपिक के इतिहास में खिताब बरकरार रखने वाले पांचवां पुरुष भाला फेंक खिलाड़ी बनने के इरादे से उतरेंगे। अगर वह खिताब जीतते हैं तो ओलंपिक व्यक्तिगत वर्ग में दो स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय भी बनेंगे। ओलंपिक की पुरुष भाला फेंक स्पर्धा में अभी तक एरिक लेमिंग (स्वीडन, 1908 और 1912), जोन्नी माइरा (फिनलैंड, 1920 और 1924), चोपड़ा के आदर्श जान जेलेंजी (चेक गणराज्य, 1992 और 1996) और आंद्रियास टी (नॉर्वे, 2004 और 2008) की ओलंपिक में भाला फेंक स्पर्धा में अपने खिताब का बचाव कर पाए हैं।

नीरज के लिए आसान नहीं होगी राह

नीरज ने ग्रुप ए और बी दोनों में शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया और इस तरह एडक्टर की चोट से जुड़ी चिंताओं को भी पूरी तरह से खारिज कर दिया। यह नीरज के करियर का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी है। नीरज को फाइनल में ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स और पाकिस्तान के अरशद नदीम से कड़ी चुनौती मिल सकती है।

दो ओलंपिक पदक जीतने वाले चौथे भारतीय होंगे

अगर नीरज कोई भी पदक अपने नाम करते हैं तो भी वह स्वतंत्रता के बाद दो व्यक्तिगत ओलंपिक पदक जीतने वाले सिर्फ चौथे भारतीय खिलाड़ी होंगे। स्वतंत्रता के बाद बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू (एक रजत और एक कांस्य), पहलवान सुशील कुमार (एक रजत और एक कांस्य) और निशानेबाज मनु भाकर (दो कांस्य) ही भारत के लिए दो ओलंपिक पदक जीत पाए हैं।

टेबल टेनिस टीम भी हारी

भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम पेरिस ओलिंपिक का क्वार्टर फाइनल हार गई है। टीम इंडिया को जर्मनी ने 3-1 से हराया। वहीं, रेसलर अंतिम पंघल राउंड ऑफ-16 में हार गई हैं। उन्हें 53 किलोग्राम में तुर्किये जेनेप येटगिल ने 10-0 से हराया। जेवलिन थ्रोअर अनु रानी भी फाइनल में जगह नहीं बना सकीं। उन्होंने क्वालिफिकेशन में 55.81 मीटर स्कोर किया। लंबी दूरी की धावक प्रियंका गोस्वामी और सूरज पवार की जोड़ी भारतीय जोड़ी भी मिक्स्ड मैराथन वॉक रिले मेडल इवेंट के फाइनल में जगह नहीं बना सकी। इसके अलावा, रेसलर विनेश फोगाट को विमेंस 50 किलोग्राम वेट कैटेगरी में अयोग्य घोषित कर दिया गया है।

बुधवार रहा भारत के लिए सबसे खराब

भारतीय खिलाड़ियों के लिए पेरिस ओलंपिक 2024 का बारहवां दिन बेहद खराब रहा। बुधवार की सुबह भारतीय खेल प्रेमियों को पेरिस से बुरी खबर मिली। भारत को 12वें दिन पहलवान विनेश फोगाट से गोल्ड की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा हो नहीं सका। विनेश को महिलाओं की 50 किलो कुश्ती स्पर्धा के फाइनल से पहले वजन अधिक पाए जाने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया। जिससे अब वह खाली हाथ लौटेंगी। इस खेल में भारत की सबसे बड़ी उम्मीद अंतिम पंघाल भी बाहर हो गईं। एथलेटिक्स में भी देश को निराशा हाथ लगी। टेबल टेनिस में भारतीय महिला टीम के जर्मनी से 1-3 से हारने से भारत का अभियान खत्म हो गया।

मनु भाकर के दिल्ली लौटने पर किया जोरदार स्वागत

नई दिल्ली। भारत की डबल मेडल विजेता निशानेबाज मनु भाकर पेरिस ओलंपिक में ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद बुधवार को वापस स्वदेश लौट आईं। यहां दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उनका जोरदार वेलकम हुआ। पेरिस में इतिहास रचने के बाद मनु भाकर ने 10 जनपथ पर सोनिया गांधी से मुलाकात की। मनु ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर भारत को पेरिस में पहला मेडल दिलाया था। इसके बाद उन्होंने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। वह तीन ओलंपिक पदक जीतने वाली एकमात्र भारतीय बनकर इतिहास रचने की कगार पर थीं, लेकिन महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में वह मामूली अंतर से चूक गईं थीं।

क्लोजिग सेरेमनी के लिए वापस जाएगी

रविवार को ओलंपिक खेलों की क्लोजिंग सेरेमनी में भाग लेने के लिए इसी सप्ताह पेरिस लौट जाएंगी। मनु भाकर पेरिस ओलंपिक 2024 के समापन समारोह के दौरान भारत की ध्वजवाहक होंगी। 22 वर्षीय मनु ने ओलंपिक निशानेबाजी में दो कांस्य पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया है। इस मौके पर मनु ने कहा कि अब तक जितनी भी मेहनत की है, उसका फल मिला है। लंबे समय से मेरी चाहत थी कि मैं देश के लिए एक ओलंपिक मेडल जीतूं और वो सपना आज पूरा हो गया है। उन्होंने भगवत गीता का भी जिक्र किया। मनु ने कहा था कि मुझे लगता है कि वर्तमान समय में भी भगवत गीता की काफी प्रासंगिकता बनी हुई हैं। कभी-कभी मुझे आश्चर्य होता है कि सदियों पुरानी चीज आज भी प्रासंगिक बनी हुई है। अगर आज भी गीता को ध्यान से पढ़ा जाए तो हम रोजमर्रा की जिंदगी में उसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

Yuva स्टोरीज

विद्यार्थियों को सिखाए शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के गुर

बेधड़क | जयपुर

योग और वेलनेस सेंटर (ओजस) निर्वाण विश्वविद्यालय जयपुर ने महात्मा गांधी सरकारी स्कूल धामस्या जयपुर में विद्यार्थियों के लिए एक एक्सटैन्शन एक्टिविटी के तहत योग सत्र का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में शारीरिक स्वास्थ्य, भावनात्मक कल्याण और आत्मचिंतन को बढ़ावा देना था।

इस अवसर पर निर्वाण विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ. एस. एल. सिहाग ने कार्यक्रम की सराहना की और कहा कि विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में योग का महत्वपूर्ण योगदान है। वाइस चेयरमैन डॉ आरके अरोड़ा ने कहा कि नियमित योगाभ्यास से विद्यार्थी ना केवल शारीरिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी सशक्त बनते हैं। इस प्रकार की गतिविधियों से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होता है। कक्षा 1 से 6 तक के विद्यार्थियों के लिए यह कार्यक्रम विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा। योग के माध्यम से बच्चों में न केवल शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार मिलता है, बल्कि मानसिक तनाव, अवसाद और पढ़ाई के बोझ को भी कम करने में मदद मिलती है। इस कार्यक्रम का आयोजन स्कूल ऑफ योगा एंड फिजिकल एजुकेशन की डीन डॉ. कृष्णा अग्रवाल ने किया। डॉ. अग्रवाल ने इस प्रकार के कार्यक्रमों को आगे भी आयोजित करने का आश्वासन दिया, जिससे स्कूली बच्चों का शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास सुनिश्चित हो सके।

MNIT में लगाए 551 पौधे

जयपुर। एमएनआईटी में एमएनआईटी और जेडीए के संयुक्त तत्वावधान में एक वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया। यह पहल प्रधानमंत्री परियोजना 'एक पेड़ मां के नाम' और राजस्थान मुख्यमंत्री के अभियान 'हरियाली तीज' के तहत शुरू की गई। एमएनआईटी के छात्रों और स्टाफ द्वारा कुल 551 पौधे लगाए गए। जिसमें संग्राम सिंह कटियार, वन संरक्षक, नरेंद्र सिंह शेखावत, वरिष्ठ उद्यान विशेषज्ञ और उप वन संरक्षक, अब्दुल मजीद, बाग़ के अधीक्षक, उमेश गुप्ता, रेंज वन अधिकारी, जितेंद्र सिंह राठौर, रेंज वन अधिकारी, चेत राम, वन रक्षक, महेंद्र कुमार कटारिया, वन रक्षक, होशियार सिंह, वन रक्षक (जेडीए) के साथ-साथ प्रोफेसर रोहित भाकर (रजिस्ट्रार एमएनआईटी), प्रोफेसर महेंद्र चौधरी आदि मौजूद रहे।

जोधपुर में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर वृक्षारोपण कार्यक्रम में बोले...

पर्यावरण संतुलन और ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव को रोकने के लिए वृक्ष लगाएं

बेधड़क | जोधपुर/जयपुर

शिक्षा एवं पंचायत राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि बढ़ रहे तापमान और ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव को हम ज्यादा से ज्यादा वृक्ष लगाकर ही नियंत्रित कर सकते हैं। उन्होंने आमजन से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की अपील की। शिक्षा एवं पंचायत राज मंत्री दिलावर बुधवार को जोधपुर स्थित मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर में जिला प्रशासन की ओर से आयोजित "एक पेड़ मां के नाम" जिला स्तरीय वन महोत्सव में बोल रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने वृक्षारोपण कर प्रकृति प्रेम और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस दौरान संभागीय आयुक्त बी एल मेहरा, जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल सहित अन्य उच्च अधिकारियों ने भी वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर मंत्री दिलावर ने आगे कहा कि इस पृथ्वी को बचना है हम सबको वृक्षारोपण कर इनकी देखभाल की जिम्मेदारी उठानी होगी। आज हरियाली तीज के अवसर पर हम सबको एक संकल्प लेना है कि हमें ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण कर इस धरती मां का हरियाली रूपी आभूषणों से सुसज्जित करना है। हमने जो वृक्ष लगाए है, उनकी जिम्मेदारी भी हमें लेनी है। साथ ही, उनकी हम रक्षा करेंगे यह संकल्प लेना है।

एक घंटे में लगाए 8217 पौधे

मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान के अन्तर्गत हरियाली तीज पर एक पेड़ देश के नाम - एक पेड़ माँ के नाम के तहत रामगंजमंडी ब्लॉक में सघन पोधारोपण कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया । इस वर्ल्ड रिकॉर्ड के तहत बुधवार को एक घंटे में में रामगंजमंडी ब्लॉक की सभी 186 विद्यालयों और सभी 153 गांवों में प्रत्येक श्रेणी के न्यूनतम दो पोधें लगाए गए। इनमें कुल 2352 बरगद, 1171 पीपल, 2352 नीम, 1171 बिल्वपत्र, अशोक 1171 सहित कुल 8217 पोधें लगाए गए ।

जयपुर मेट्रो में किया पौधारोपण

मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान के तहत हरियाली तीज के मौके पर मानसरोवर स्थित जयपुर मेट्रो रेल के डिपो परिसर में निदेशक एवं अधिकारियों द्वारा छायादार एवं फलदार पौधे लगाए गए। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक पी रमेश ने सभी को तीज की बधाई देते हुए बताया कि सभी को मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान "हरियालो राजस्थान" -"एक पेड़ माँ के नाम" के तहत वृक्षारोपण अवश्य करना चाहिए, साथ ही लगाये गए पौधो को पारिवारिक सदस्य के रूप में स्वीकार कर उनकी देखभाल करने का संकल्प भी लेना चाहिए।

धरती या देश पर संकट आता है तो राजस्थानी पीछे नहीं रहते

दिलावर ने कहा जोधपुर का खेजडली गांव जोकि पर्यावरण संरक्षण व वृक्ष की रक्षा के लिए जाना जाता है। इस गांव के लगभग 363 लोगों के साथ मां अमृता देवी ने वृक्षों की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। उन्होंने कहा कि जब जब धरती अथवा देश पर संकट आता है तो हम राजस्थानी पीछे नही रहते है, अपना सर्वस्व न्यौछावर कर देते है। साथ ही, उन्होंने कहा कि आज हम लगभाग 21 लाख पौधें लगा कर इस संकल्प को पूरा करेंगे। साथ ही, जो भी पोधा लगे, वे सब पेड़ बने यह मेरा विश्वास है। इस अवसर पर संभागीय आयुक्त बी एल मेहरा, पूर्व जोधपुर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष प्रो. महेंद्र सिंह राठौड़ और मुख्य वन संरक्षक आरके जैन ने संबोधित करते हुए पर्यावरण प्रेम एवं संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में प्रभारी सचिव दिनेश कुमार, जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल, आयुक्त जेडीए उत्साह चौधरी, आयुक्त नगर निगम दक्षिण डॉ. टी. शुभमंगला, मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. धीरज कुमार, ब्रांड एंबेसडर निर्मल गहलोत, उप वन संरक्षक श्री मोहित गुप्ता सहित अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

मिल-जुलकर त्योहार मनाएं तो अखंडता होती है मजबूत

बेधड़क | जयपुर

एसआरएन इन्टरनेशनल स्कूल जगतपुरा में विद्यार्थियों ने हरियाली तीज महोत्सव पर सावन व तीज के गीतों व नृत्य द्वारा सास्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर बच्चों ने फूल, पत्तियों व लहरिये युक्त झुले सजाकर झूलने का आन्नद लिया। तीज पर भाषण देकर यह संदेश दिया कि हमें सभी त्यौहार मिल-जुलकर मनाने चाहिए ताकि देश की एकता अखण्डता मजबूत रहे। छात्राओं व स्कूल अध्यापिकाओं ने लहरिये की पोशाक पहनकर गौरी की पूजा कर झूले । इस मौके पर बच्चों ने स्कूल परिसर में तीज माता की सवारी निकाली तथा एक दूसरे को शुभकामनाएं दी। स्कूल डायरेक्टर उषा शर्मा ने बताया कि भारतीय तीज-त्यौहारों का विश्व के धरातल पर एक अलग ही स्थान है। हम सभी धर्मों के मानने वाले एक साथ रहते है। इसलिए हमें सभी त्यौहार मिल जुलकर मनाने चाहिए ताकि विश्व बन्धुत्व की भावना साकार हो व हम सब मिलकर उन्नती के पथ पर अग्रसर हो।

बोर्ड की पूरक परीक्षा 12 से, 50 जिलों में भेजी परीक्षा सामग्री

अजमेर। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से पूरक परीक्षा 12 से 14 अगस्त तक आयोजित होगी। परीक्षा में 38 हजार 152 परीक्षार्थी शामिल होंगे। बोर्ड ने परीक्षा सामग्री के ट्रकों को बुधवार को 50 जिलों के लिए रवाना किया। बोर्ड सचिव कैलाश चन्द्र शर्मा ने बताया कि 12 से 14 अगस्त तक होने वाली बोर्ड की पूरक परीक्षाएं 50 जिलों के 167 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होंगी। इनमें सैकण्डरी के 34,467 एवं हायर सैकण्डरी के 7,685 परीक्षार्थी भाग लेंगे। बोर्ड सचिव शर्मा, विशेषाधिकारी नीतू यादव एवं अन्य अफसरों ने परीक्षा सामग्री के ट्रकों को जिलों के लिए रवाना किया।

कार्यक्रम | दिल्ली में प्रदेश के बुनकर जेठाराम हुआ सम्मान

हथकरघा उत्पादों की लगी प्रदर्शनी, बुनकरों का किया सम्मान

बेधड़क | जयपुर

भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के बुनकर सेवा केंद्र, जयपुर की ओर से 10वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस (नेशनल हैंडलूम डे) निजी संस्थानों के संयुक्त तत्वावधान बुधवार को इंदिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान में सभागार में किया गया। समारोह का शुभारंभ सौरभ स्वामी आईएएस अध्यक्ष और एमडी, आरएचडीसी की मौजूदगी में किया गया। कार्यकम के दौरान राज्य व केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी, टॉक शो, हथकरघा प्रदर्शनी, राजस्थानी थीम पर आधारित फैशन शो, आदि विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गए। हथकरघा का समर्थन करने के लिए भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे ई कैम्पेन के बारे में भी मौजूद लोगों को अवगत करवाया गया। इससे पहले मुख्य समारोह दिल्ली के विज्ञान भवन में हुआ। वहां उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने हथकरघा से संबन्धित बुनकरो, कार्यालयों व हितधारकों को संबोधित किया। इसमे राजस्थान से विभिन्न हथकरघा बुनकर, क्लस्टरों/सोसाइटियों के प्रतिनिधि व राज्य सरकार के अधिकारी ऑनलाइन सम्मिलित हुए । साथ ही राजस्थान के जैसलमेर से जेठा राम को पट्टू साड़ी के निर्माण के लिए 'यंग वीवर' श्रेणी के तहत उप राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

हथकरघा की स्कीमों के बारे में दी जानकारी

इस अवसर पर बुनकर सेवा केंद्र, जयपुर की उपनिदेशक रुचि यादव और डीआईसी की संयुक्त कमिश्नर शिल्पा पुरोहित ने उपस्थित बुनकरों को भारत और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही हथकरघा की विभिन्न स्कीमों के बारे में जानकारी उपलब्ध करवाई। इसमें आईएचबी पंजीकरण, एचएसएस, बुनकर मुद्रा ऋण योजना, समर्थ योजना, हैंडलूम मार्क, राष्ट्रीय/संत कबीर आदि अवार्ड व पुरस्कार संबन्धित जानकारी, मेलों में बुनकरों का नामांकन, हथकरघा आरक्षण अधिनियम आदि शामिल है।

आईआईएचटी में भी मनाया हथकरघा दिवस

जोधपुर। भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएचटी) वस्त्र मंत्रालय एवं केन्द्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, जोधपुर के संयुक्त तत्वाधान में 10 वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस आईआईएचटी में मनाया गया। कार्यक्रम में छात्रों द्वारा बनाए गए हथकरघा डिजाइनों और उत्पादों की एक प्रभावशाली प्रदर्शनी प्रदर्शित की गई, जिसका उद्‌घाटन मुख्य अतिथि जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक, एस एल पालीवाल ने किया। उद्‌घाटन के बाद उन्होंने हथकरघा उत्पादों को बढ़ावा देकर पारंपरिक शिल्प को संरक्षित करने एवं उद्यमी बनकर रोजगार पैदा करने का सुझाव दिया।

रंगमंच के जानिब दिनेश ठाकुर का गजब का जुनून था

ज़ाहिद ख़ान
स्वतंत्र टिप्पणीकार

हिन्दी रंगमंच की दुनिया में दिनेश ठाकुर की पहचान रंगकर्मी, अभिनेता और नाट्य ग्रुप 'अंक' के संस्थापक और निर्देशक के तौर पर है। 'अंक' का सफर साल 1976 में शुरू हुआ, जो उनके इस दुनिया से जाने के बाद आज भी जारी है। रंगमंच की दुनिया में नाट्य ग्रुप 'अंक' के सैंतालिस साल मुकम्मल हो गए हैं। रंगमंच हो, टेलीविजन या फिर सिनेमा हर क्षेत्र में दिनेश ठाकुर ने अपनी एक अलग छाप छोड़ी। उन्होंने अपनी अभिनय यात्रा की शुरुआत रंगमंच से की। बाद में फिल्मों में भी काम किया। बुनियादी तौर पर वे पूर्णकालिक रंगकर्मी ही थे। थिएटर उनकी सांसों में बसता था, यह उनका जुनून था। दिनेश ठाकुर का नाटक के जानिब लगाव स्कूल के दिनों से ही था। जब वह नौंवी क्लास में थे, तभी उन्होंने अपना पहला नाटक 'औरंगज़ेब की आख़िरी रात' डायरेक्ट किया। नाटक कामयाब रहा और इस कामयाबी ने उनमें नाटक के प्रति गहरा लगाव पैदा किया। दिल्ली के किरोड़ीमल कॉलेज में पढ़ाई के दौरान दिनेश ठाकुर कॉलेज की ड्रामेटिक सोसायटी का हिस्सा बन गए और पांच सालों तक ख़ूब नाटक किए। 'द ग्रेजुएट 67' में 'बुद्धिजीवी' और 'आधे अधूरे' में 'अशोक' का निभाया उनका किरदार दर्शकों ने काफी पसंद किया। उन दिनों दिल्ली में कहीं भी नाटक खेले जाते, वे उन्हें देखने जरूर जाते।

दिल्ली में ही दिनेश ठाकुर को हिन्दी रंगमंच के दो दिग्गज निर्देशकों बी.वी. कारंत और हबीब तनवीर के साथ काम करने का मौका मिला। इन दोनों के साथ उन्होंने नाटक की लम्बी रिहर्सल की। लेकिन अफसोस कि इन दोनों ही नाटकों के शो किसी वजह से नहीं हो सके। नाटक के शो भले ही नहीं हो पाए, पर इन दोनों ही निर्देशकों के साथ किए काम का तजुर्बा दिनेश ठाकुर को बाद में बहुत काम आया। कॉलेज की पढ़ाई के बाद वे 'अभियान' नाट्य संस्था से जुड़ गए। 'अभियान' में उन्होंने राजिन्दर नाथ, टी.पी. जैन, किशोर कपूर, नमित कपूर जैसे दिग्गज कलाकारों-निर्देशकों के साथ काम किया। बाद में ओम शिवपुरी के नाट्य ग्रुप 'दिशांतर' से भी जुड़े। दिनेश ठाकुर का पहला फुललेंथ प्ले 'केयरटेकर' था, जिसे उन्होंने ही निर्देशित किया। रंगमंच में उनके काम की ख्याति उन्हें मुंबई खींच ले गई। निर्देशक बासु भट्टाचार्य उन दिनों फिल्म 'अनुभव' बना रहे थे, जिसके एक रोल के लिए उन्होंने दिनेश ठाकुर को मुंबई बुला लिया।

अभिनेता-नाट्य निर्देशक दिनेश ठाकुर की जयंती

हिन्दी नाटकों के प्रति दर्शकों में दिलचस्पी जगाई। रंगमंच के जानिब दिनेश ठाकुर का गजब का जुनून था। रंगमंच न सिर्फ़ उनकी जिंदगी था, बल्कि जीने का सहारा भी था। अपने इंटरव्यू में वह अक्सर एक बात कहते थे, "थिएटर मेरी सांसें हैं, जिसके बिना मैं एक कदम आगे नहीं चल सकता।"

साल 1971 में आई 'अनुभव' टिकट खिड़की पर हिट रही और फिल्म देखने वालों को दिनेश ठाकुर का काम बहुत पसंद आया। 'अनुभव' के बाद उन्हें एक साथ कई फिल्में और मिल गईं, जिसमें बासु चटर्जी की फिल्म 'रजनीगंधा' भी शामिल थी। 'रजनीगंधा' न सिर्फ़ सुपर हिट हुई, बल्कि इस फिल्म को बेस्ट मूवी का फिल्मफेयर अवार्ड भी मिला। इस फिल्म की कामयाबी के बाद दिनेश ठाकुर ने दिल्ली को हमेशा के लिए छोड़ दिया और मुंबई में उनकी फिल्मों का सफर शुरू हो गया। 'मेरे अपने', 'छोटी सी बात', 'परिणय', 'कालीचरण', 'कर्म', 'मधु मालती', 'घर', 'नैय्या', 'मीरा', 'गृह प्रवेश', 'ख़्वाब', 'अग्नि परीक्षा', 'बगावत', द बर्निंग ट्रेन', 'आमने-सामने', 'आज की आवाज', 'आस्था' और 'फिजा' जैसी ऑफ बीट और कमर्शियल फिल्मों में उन्होंने एक साथ अदाकारी की। कुछ फिल्मों के लिए उन्होंने कहानी और स्क्रीनप्ले भी लिखा। साल 1978 में आई फिल्म 'घर' की स्टोरी, स्क्रीनप्ले और संवाद दिनेश ठाकुर के ही थे। इस फिल्म के लिए 1979 में उन्हें बेस्ट स्टोरी का फिल्मफेयर अवार्ड भी मिला। निर्देशक बासु भट्टाचार्य के साथ दिनेश ठाकुर किसी न किसी तौर पर जुड़े रहे, चाहे अदाकार के तौर पर या फिर स्क्रिप्ट और डायलॉग लेखक या फिर क्रिएटिव कंसल्टेंट के रूप में।

दिनेश ठाकुर फिल्में जरूर कर रहे थे, लेकिन उनकी आख़िरी मंजिल रंगमंच था। फिल्मों में एक मुकाम पाने के बाद, उन्होंने ख़ुद ही इनसे दूरी बना ली। वे पूरी तरह से रंगमंच के क्षेत्र में आ गए। रंगमंच की दुनिया में जमने के लिए, मगर उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा। उस वक़्त मुंबई में 'इप्टा' का बड़ा नाम था। मशहूर रंग-निर्देशक सत्यदेव दुबे के निर्देशन में इप्टा के लगातार नाटक हो रहे थे। नाटक करने के लिए दिनेश ठाकुर ने सभी निर्देशकों से मेल-मुलाकात और बातचीत की, लेकिन कहीं कोई बात नहीं बनी। सब तरफ से निराश होकर, आख़िरकार उन्होंने ख़ुद ही नाटक करने का फैसला किया। साल 1976 में सुरेन्द्र गुलाटी के लिखे नाटक 'शाबास अनारकली' से वे मुंबई में रंगमंच पर उतरे। इस नाटक के साथ ही उनका नाट्य ग्रुप 'अंक' भी अस्तित्व में आया। दिनेश ठाकुर ने अपने नाटक का पहला प्रोडक्शन 'अंक' के बैनर पर ही किया। इस नाटक के सफल प्रदर्शन के बाद, उन्होंने फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। रंगमंच पर उनकी मेहनत आहिस्ता-आहिस्ता रंग लाई और उनके पास नाटक के प्रस्ताव आने लगे।

अपने प्रोडक्शन हाउस 'अंक' के बैनर पर दिनेश ठाकुर ने 'बाकी इतिहास', 'पगला घोड़ा' (बादल सरकार), 'कागज की दीवार', 'बीवियों का मदरसा', 'आला अफसर', 'कमला', 'जात ही पूछो साधो की', 'ख़ामोश ! अदालत जारी है', 'अंजी' (विजय तेंदुलकर), 'जिस लाहौर नहीं देख्या' (असगर वज़ाहत), 'शह या मात' (बीएम शाह), 'रक्तबीज' (शंकर शेष), 'आधे अधूरे' (मोहन राकेश), 'हाय मेरा दिल' (रणवीर सिंह), 'महाभोज' (मन्नू भंडारी), 'जाने न दूंगी', 'जिया जाए ना', 'हमेशा', 'हम दोनों', 'राकेश पत्रों में', 'रवीन्द्र भावांजलि' समेत साठ नाटकों का निर्देशन किया।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

केंद्र और दिल्ली सरकार के वर्चस्व की लड़ाई में पिस रही दिल्ली की जनता

दिल्ली की बदहाली की हकीकत

ज्ञानेन्द्र रावत
वरिष्ठ पत्रकार व पर्यावरणविद्

असलियत में यहां की फुटपाथों की हालत बेहद ही खराब है। कहीं उनकी टाइल्स उखड़ी पड़ी हैं तो कहीं फुटपाथ जगह-जगह पूरी तरह ही टूटा पड़ा है। वहां चलना भी मुश्किल है। पुरानी दिल्ली की बात छोड़िए, रिंग रोड भी इस बदहाली का शिकार है। रिंगरोड पर जहां सबसे ज्यादा वाहन गुजरते हैं, उस पर मंजनूं का टीला, चंदगीराम के अखाड़े के आस पास की सड़कें जर्जर अवस्था में हैं, वे टूटी पड़ी हैं।

देश की राजधानी दिल्ली अब रहने लायक नहीं रह गयी है। प्रदूषण की मार से तो दिल्ली वासी पहले ही से त्रस्त हैं। वह प्रदूषण के चलते साफ हवा में सांस लेने को तो बरसों से तरस ही रहे हैं,सड़कों की बदहाली और दशकों पुरानी सीवेज प्रणाली की जर्जर अवस्था के होते जलभराव की समस्या से उनका जीना दूभर हो गया है। ऐसी स्थिति में वह उस क्षण को कोस रहे हैं जब उन्होंने देश की राजधानी दिल्ली में बसने का निर्णय लिया था। और जहां तक जन सुविधाओं का सवाल है, वही नहीं, प्रशासनिक स्तर पर भी दिल्ली की जनता केन्द्र की भाजपा सरकार और दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार के बीच सालों से जारी अस्तित्व की लड़ाई में पिस रही है।

विडम्बना यह कि केन्द्र और राज्य की दो अलग- अलग दलों की सरकारों के बीच अधिकारों को लेकर न तो दिल्ली वासियों की परेशानियों का समाधान हो पा रहा है और न ही वह सुकून से अपनी जिंदगी ही बसर कर पा रहे हैं। जहां तक सड़कों का सवाल है, पी डब्ल्यू डी द्वारा सुप्रीम कोर्ट की रोड सेफ्टी कमेटी के मुताबिक बीते साल जुलाई से नवम्बर 2023 के बीच आईआईटी दिल्ली के साथ मिल कर किये सड़क सुरक्षा के उद्देश्य से हुए आडिट में फुटपाथ की स्थिति, संरचना, डिजाइन और सीवेज सिस्टम को लेकर गंभीर सवाल उठाये गये हैं। इसमें इस बात पर गंभीर चिंता व्यक्त की गयी है कि देश की राजधानी दिल्ली में तकरीब 46 से ज्यादा फीसदी जोनों में यातायात को सुगमता पूर्वक सुरक्षित चलाने की गरज से जो कदम उठाये जाने चाहिए थे, उनका पूर्णतः अभाव रहा है। यह बदहाली का आलम तब है जबकि दिल्ली को वर्ल्ड क्लास सिटी बनाने का दावा लगातार किया जाता है लेकिन मौजूदा हालात इसके बिलकुल उलट गवाही देते हैं। दिल्ली की सड़कें तो सड़कें, जंक्शन और फुटपाथ भी कतई सुरक्षित नहीं हैं। सड़क सुरक्षा को लेकर उठाये सवालों के उद्देश्य से 69 फीसदी रोड साइनेज इंडियन रोड कांग्रेस के मानकों पर कतई खरे नहीं उतरते। फुटपाथ को लें, वह भी मानकों के अनुरूप नहीं हैं। इंडियन रोड कांग्रेस के मुताबिक सड़कों की फुटपाथ की चौड़ाई 2.5 मीटर होनी चाहिए जिसके अनुसार उस पर दो व्हील चेयर एक साथ गुजर सकें। लेकिन मौजूदा दौर में केवल 25 फीसदी ही फुटपाथ इन मानकों के अनुरूप हैं जो राहगीरों के लिए उपयुक्त हैं। जबकि मात्र 16 फीसदी ही फुटपाथ की चौड़ाई इंडियन रोड कांग्रेस के मानकों के मुताबिक हैं। जबकि 84 फीसदी फुटपाथ ऐसे हैं जिनकी चौड़ाई तय मानकों के मुताबिक है ही नहीं। हालात गवाह हैं कि असलियत में यहां की फुटपाथों की हालत बेहद ही खराब है। कहीं उनकी टाइल्स उखड़ी पडी हैं तो कहीं फुटपाथ जगह-जगह पूरी तरह ही टूटा पडा है। वहां चलना भी मुश्किल है। पुरानी दिल्ली की बात छोड़िए, रिंग रोड भी इस बदहाली का शिकार है। रिंगरोड पर जहां सबसे ज्यादा वाहन गुजरते हैं, उस पर मंजनूं का टीला, चंदगीराम के अखाड़े के आस पास की सड़कें जर्जर अवस्था में हैं, वे टूटी पडी हैं। वहां जेब्रा क्रासिंग की मार्किंग भी नहीं है, कहीं वह है भी तो वो नजर नहीं आती है। इससे सड़क पार करने वाले राहगीरों को सड़क पार करने में बेहद परेशानी होती है। साथ ही हादसों की आशंका सदैव बनी रहती है सो अलग। यही हाल पूर्वी दिल्ली की वजीराबाद रोड का है। यहां सबसे ज्यादा व्यस्त रहने वाला लोनी-गोकुलपुरी रोड वाला जंक्शन यानी गोल चक्कर जहां से गाजियाबाद को सड़क जाती है,टूटे होने और जेब्रा क्रासिंग न होने के चलते हादसों को न्योता दे रहा है।

सबसे ज्यादा खतरनाक हालात आजादपुर चौक, भलस्वा चौक, मुकरबा चौक, बुराडी चौक, पंजाबी बाग चौक, गाजीपुर फ्लाई ओवर, मुर्गा मंडी, मुकुंदपुर चौक, मधुवन चौक और रजोकरी फ्लाई ओवर की है जहां सड़क हादसे आम हैं। अब जरा दिल्ली की जल निकासी पर भी नजर डालें। हालात इस बात की गवाही देते हैं कि दिल्ली का दशकों पुराना ड्रेनेज सिस्टम दिल्ली की जल निकासी की दृष्टि से अब इतना पुराना हो चुका है कि अब वह राजधानी दिल्ली की तरकीब सवा दो करोड़ से ज्यादा आबादी का जल-मल का भार सहने की क्षमता खो चुका है। फिर भी दिल्ली उसी 48 साल पुराने ड्रेनेज सिस्टम पर आश्रित है जबकि दिल्ली की आबादी मात्र 60 लाख के आस-पास ही हुआ करती थी। यही वह एकमात्र कारण है कि जरा सी बारिश में दिल्ली पानी-पानी हो जाती है और यदि बारिश तगडी हो गयी और वह घंटों तक जारी रही, उस हालत में दिल्ली जलभराव से डूब ही जाती है। यह हालत अब पुरानी दिल्ली की ही नहीं होती, लुटियन जोन नयी दिल्ली भी इसका शिकार हुए नहीं रहती और वहां के हालात भी किसी टापू जैसे हो जाते हैं।

इन सबके लिए जिम्मेदार पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था का न होना और नालों की समय-समय पर सफाई न होना है। नतीजतन सड़कों पर तेज बारिश के चलते जलभराव होने से कहीं सड़क धंसने से गड्ढे हो जाते हैं, कहीं सीवर के मैनहोल में स्कूटर समा जाते हैं तो कभी राहगीर। कभी-कभी तो लुटियन जोन में भी ऐसी स्थिति हो जाती है कि घंटों आवाजाही तक बंद हो जाती है और लोग घरों में कैद होकर रह जाते हैं। ऐसे में दुपहिया वाहनों, कारों का गंदगी से भरे पानी में लगे जाम में घंटों फंसे रहना उनकी नियति बन चुकी है। यही नहीं गलियों और सड़कों पर पानी भर जाने से सड़क धंसने से दुपहिया वाहनों और कारों का पानी में डूबना और जमीन में समा जाने जैसे हादसे भी अब आम हैं।

जाहिर है यह सब जलभराव से निपटने के सरकारी दावों की नाकामी का जीता-जागता सबूत है। वह बात दीगर है कि पीडब्लयूडी यह दावा करते नहीं थकती कि जलभराव के चलते जल निकासी हेतु सैकड़ों पंप लगाये जाते हैं लेकिन बारिश के विषम हालात, पुराने नालों की सफाई न होने और उसमें गंदगी भरे रहने से पंपों द्वारा जल निकासी में अधिक समय लगने से जल्दी जल भराव से निजात मिल पाना बेहद मुश्किल हो जाता है और जाम में घंटों वाहन फंसे रहते हैं। कहीं-कहीं तो हादसों की आशंका के मद्देनजर रास्ते और अंडरपास तक बंद करने पड़ते हैं। ज्यादातर ऐसी हालत से लोगों को आजाद नगर मार्केट ब्रिज, मूलचंद अंडर पास, जखीरा अंडर पास,मिंटो ब्रिज, आई टी ओ, गणेश नगर मदर डेयरी, प्रगति मैदान आदि जगहों पर दिक्कतों का सामना करना पड़ता है जिससे कभी-कभी कार्यस्थल पर भी समय से पहुंचना उनके लिए बेहद मुश्किल हो जाता है। बदहाली की यह स्थिति तो कमोबेश दिल्ली वालों की नियति बन चुकी है। ऐसे में दिल्ली को वर्ल्ड क्लास सिटी की संज्ञा देना बेमानी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

राजनीति : एक चिंतन कुछ ऐसा भी...!

राजेंद्र बज
व्यंग्यकार

परोपकार से सरोकार रखने वाले धार्मिक दृष्टि से स्वर्ग के हकदार बन जाते हैं। लेकिन इस ' तुरत-फुरत ' के जमाने में आदमी के पास धैर्य की कमी है। यही कारण है कि राजनीति में सक्रिय महानुभाव जीते जी अपनी दुनिया को जन्नत बना देने की भावना जाहिल करते हुए राजनीतिक उठापटक में तल्लीन रहा करते है। वास्तव में राजनीति का गणित बहुत विचित्र है। इसमें घोषित तौर पर जनकल्याण का शंखनाद किया जाता है, लेकिन आत्म कल्याण की दिशा में काम किया जाता है। जनता का पैसा जो सरकार खींचती है, उसे अलग-अलग वर्ग के लोगों को रेवड़ियां बांटने में खर्च कर दिया करती है। जिसकी पुण्याई राजनीतिज्ञों के व्यक्तित्व पर उड़कर चिपक जाया करती है।

राजनीतिज्ञों की जमात में जो शख्सियत जितनी अधिक दातार हुआ करती है, उतनी ही उदार जनता हो जाती है। इन दिनों राजनीति में खैरात पर खैरात लुटाई जा रही है। लूटने वाले का लुटा जाना उसकी नियति है। लेकिन जैसे कि हमारे मालवा में कहावत है कि ' मजे में आकर मौत को भूल जाना ', बस इन दिनों यही सब कुछ तो हो रहा है राजनीति में। पता नहीं यह सिलसिला कहां जाकर थमेगा, थमेगा भी या नहीं, इस विषय पर कुछ भी कह पाना नामुमकिन होगा। बहरहाल मुद्दे की बात यह कि इन दिनों फटे में पैर अड़ाने वालों की चांदी ही चांदी नजर आती है। अब वह जमाना नहीं रहा जब समय काटने के लिए राजनीति की जाती थी। और नहीं तो क्या, आजकल जेबकटी के भी नए संस्करण आ गए हैं।

यदि बारीकी से शोध किया जाए तो इस नतीजे पर पहुंचा जाएगा कि देश में बढ़ती बेरोजगारी के चलते कईयों ने राजनीति को रोजगार का माध्यम बना लिया है। वैसे भी इन दिनों राजनीति में न तो हींग लगती है और न ही फिटकरी ! और ऊपर से रंग भी चोखा आ जाया करता है। यही कारण है कि दीर्घकालीन बेरोजगारी के आलम में अल्पकालीन राजनीति में सक्रिय रहकर दांव मार लिया जाता है। जाहिर तौर पर राजनीति व्यापक जनहित के प्रति समर्पित भूमिका के निर्वहन को कहा करते हैं, लेकिन राजनीति की प्रचलित परंपरा में जनहित में ही स्वहित सन्निहित हुआ करता है। यकीन मानिए ऐसा नहीं होता, तो प्रबल भौतिकवादी दौर में जनकल्याण की दिशा में हाथ पैर मारने के बारे में कोई कैसे सोच सकता था?

दरअसल जो आदतन तिकड़मबज हुआ करते हैं, उनके लिए देश प्रदेश का वर्तमान राजनीतिक वातावरण बहुत अनुकूल दिखाई देता है। वैसे भी जब बैठे ठाले करने को कोई काम नहीं हो, तब राजनीति से बेहतर और कोई विकल्प बचता भी नहीं है। सक्रिय राजनीति में लगाया गया समय और श्रम कभी न कभी किसी न किसी रूप में अपना रंग दिखाता ही है। बस, शर्त केवल इतनी होती है कि हम किसी जमे-जमाए और तपे-तपाए नेता की नजरों में चढ़े हुए हो। नेता की नजरों में चढ़ने के लिए कोई पहाड़ खोदना नहीं पड़ता। केवल इतना करना होता है कि वह जिसके लिए जिंदाबाद बोले हमें जिंदाबाद करना है और जिसके लिए मुर्दाबाद बोले हमें मुर्दाबाद करना है।

नॉलेज कॉर्नर: त्साई-लुन नामक व्यक्ति ने चिथड़ों से पहली बार बनाया था कागज

सबसे पहले चीन में बना था 'कागज'

हम सभी ने बचपन में कॉपी-किताबों से खूब पढ़ाई की है। कॉपी के खाली पन्ने देखकर लगता था बस लिखते जाएं। यदि किताबें न होती तो हम जीवन का ज्ञान प्राप्त नहीं कर पाते। हालांकि डिजिटल के दौर में, अब मोबाइल कम्प्यूटर से पढ़ाई होने लगी है, लेकिन स्कूलों में आज भी बच्चे कॉपी- किताबों से ही शुरुआती पढ़ाई करते हैं। कभी-कभी कमजोर कागज होने के कारण वो बीच से फट जाया करता था। उस समय हम सोचते थे कि आखिर यह कागज किस चीज से बनता है। कई बार हम अपने बड़ों से पूछते थे कि इनका निर्माण कैसे होता था, तब हमें जवाब मिलता था पेड़-पौधों से।यह कैसे होता है, तथा किस तत्व के कारण होता है, इसी के बारे में विस्तार से जानेंगे आज के कॉर्नर में...

कैसे बनता है कागज

कागज का निर्माण पौधों में मौजूद सेल्यूलोस नामक कार्बोहाइड्रेट से होता है। यह पौधों की कोशिकाओं में पाया जाता है। दरअसल पौधों की कोशिकाएं भी भित्ति सेल्यूलोज की बनी होती हैं। यह पौधों के पंजर का मुख्य पदार्थ है, जिनके रेशों को आपस में मिला दिया जाए तो एक पतली चादरनुमा वस्तु बनती है। इस पतली चादर को ही कागज कहा जाता है। जिन पौधों या पेड़ों में सेल्यूलोस नहीं पाया जाता उनसे कागज का निर्माण नहीं किया जा सकता है। रुई एक प्रकार का शुद्ध सेल्यूलोस है, लेकिन इससे कागज नहीं बनता है। रुई एक महंगा पदार्थ है तथा इसका प्रयोग मुख्य रूप से कपड़ा बनाने के लिए किया जाता है। इसके अलावा रेशम और ऊन के रेशों से भी कागज नहीं बनता, क्योंकि इसमें परस्पर चिपकने वाले गुण मौजूद नहीं होते हैं। यही कारण है कि कागज केवल सेल्यूलोस से ही बनाया जा सकता है। पौधों में जितना अधिक सेल्यूलोस पाया जाता है, उतना ही स्वच्छ और सुंदर कागज बनता है।

यूं हुआ आविष्कार

बात करें कागज के इतिहास की तो 201 ईसा पूर्व में हान राजवंश के समय चीन में त्साई-लुन नामक व्यक्ति ने कपड़ों के चिथड़ों से दुनिया का पहला कागज बनाया था। इसलिए उन्हें कागज का संत भी कहा गया। दिलचस्प बात यह है कि कपड़ों के चिथड़ों और कागज की रद्दी में सबसे अधिक सेल्यूलोस मिलता है, इसलिए इनसे सरलता से कागज बन जाता है। इसमें लगभग सौ प्रतिशत सेल्यूलोस पाया जाता है। इसके अलावा पौधों में लिग्निन, पेक्टिन, खनिज लवण, वसा और रंग जैसे पदार्थ भी पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। इसलिए जब तक सेल्यूलोस को अलग नहीं किया जाए, कागज का निर्माण संभव नहीं है।

भारत में कागज उद्योग

भारत में कागज बनाने की सबसे पहली मिल कश्मीर में लगाई गई थी, जिसे वहां के सुल्तान जैनुल आबिदीन ने स्थापित किया था। सन 1887 में भी कागज बनाने वाली मिल स्थापित की गई थी, जिसका नाम था टीटा कागज मिल्स, लेकिन ये मिल कागज बनाने में असफल रही। आधुनिक कागज का उद्योग कलकत्ता में हुगली नदी के तट पर बाली नामक स्थान पर स्थापित किया गया। **कंटेंट: प्रताप सिंह नेगी**

भजनला[illegible], मुख्यमंत्री, राजस्थान
@BhajanLalBJP
फाइनल मैच से पूर्व 100 ग्राम ओवरवेट होने के कारण विनेश फोगाट जी का अयोग्य घोषित किया जाना प्रत्येक भारतवासी के लिए अत्यंत दुख का विषय है। इस कठिन परिस्थिति में समस्त राष्ट्र आपके साथ एकजुट खड़ा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप न केवल मैदान में शानदार पुनरागमन करेंगी, अपितु अपने उत्कृष्ट खेल कौशल से वैश्विक पटल पर माँ भारती को पुनः गौरवभूषित करने में सफल होंगी। उज्ज्वल व स्वर्णिम भविष्य के लिए समस्त राजस्थान परिवार की ओर से हार्दिक मंगलकामनाएं।

योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
@myogiadityanath
पूज्य संतों का संकल्प जब एक दिशा में, एक साथ, एक स्वर में आगे बढ़ा, तब श्री अयोध्या जी में प्रभु श्री रामलला के भव्य मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ... यह मंजिल नहीं है, केवल एक पड़ाव है। इस पड़ाव को आगे भी निरंतरता देनी है।

वित्त विधेयक पर चर्चा का वित्त मंत्री ने दिया जवाब

करदाताओं का विश्वास बढ़ा, मध्यम वर्ग को राहत दी: सीतारमण

एजेंसी | नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि इस बजट में मध्यम वर्ग को कर राहत दी गई है और सैलेरी एवं वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए मानक कटौती 50 हजार से 60 हजार की गई है जिसका सीधा लाभ इस वर्ग के लोगों को मिलेगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में बुधवार को वित्त विधेयक 2024 (2) पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि कोविड के समय विकसित देशों में कर की दर बढाई गई लेकिन प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी ने कोविड खर्च के लिए कर नहीं बढाने के निर्देश दिए थे और उस निर्देश का पालन करते हुए सरकार ने 2020 से 2023 के बीच किसी तरह का कोई कर नहीं बढाया है। वित्त मंत्री ने कहा कि 2014 में कर आतंकवाद की शिकायत की जा रही थी और लोगों से जबरन पैसा वसूले जाने की शिकायतें आ रही थीं, लेकिन उस दौर को मोदी सरकार बहुत पीछे छोड़ चुकी है और करदाताओं का विश्वास बढाया गया है। बजट में एंजिल टैक्स को पूरी तरह से हटा दिया गया है जो कि 2012 में लाया गया था। उन्होंने कहा कि विपक्ष शोषण का बजट बताकर इसकी आलोचना कर रहा था जबकि कांग्रेस की सरकार के समय ही यह एंजिल कर लगाया गया था।

पूंजीगत लाभ पर छूट की सीमा सवा लाख

सीतारमण ने कहा कि शेयर और प्रतिभूतियों में निवेश पर दीर्घकालीन पूंजीगत लाभ की छूट की सीमा एक लाख रुपए से बढाकर सवा लाख रुपए की गई है। इससे भी मध्यम वर्ग को फायदा हुआ है। उनका कहना था कि मैं मध्यम वर्ग पर कर का बोझ बढाने की बात कहने वालों को कहना चाहती हूं कि एक समय था जब आय पर 98 प्रतिशत तक कर लगाया गया था।

आयात कर में दी गई छूट

उन्होंने कहा कि आयात कर में छूट दी गई है ताकि भारत में विनिर्माण सस्ता हो सके। इसके लिए सरकार ने कई कच्चे माल और दुर्लभ खनिजों का आयात भी सस्ता किया है। सोने और चांदी पर आयात शुल्क कम करने से आभूषण उद्योग को फायदा होगा। यह उद्योग बड़े स्तर पर रोजगार के अवसर देने वाला उद्योग है। जलीय कृषि के काम आने वाले संसाधनों पर भी आयात कर में कटौती की गई है।

छोटे निवेशकों को नुकसान नहीं

सीतारमण कहा कि बजट में कर विवरण के पुराने मामलों को खोलने की अधिकतम अवधि दस साल से घटाकर पांच साल कर दी गई है। कर विवादों पर अपीलीय मंचों में जाने के लिए न्यूनतम राशि की सीमाएं भी ऊंची कर दी गई ताकि कम से कम विवाद होंगे। कर विभाग की ओर से संबंधित विवादित मामलों की अपील के लिए मौद्रिक सीमा बढाए जाने से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर के 7754 मामलों की अपील की जरूरत नहीं होगी। लाभांश आय को निवेशकों के हाथ में पहुंचने पर कर लगाने से छोटे निवेशकों को नुकसान होने की विपक्ष की धारणा को गलत बताते हुए उन्होने कहा कि इससे कम आय वाले निवेशको को दस और उच्च आय वालों को 49 प्रतिशत कर देना पड़ता है। विपक्ष इस पर कुछ भी कहे यह बजट देश की जनता की भावना का प्रतिबिम्ब है।

कांग्रेस सदस्यों का आचरण खेदजनक: धनखड़

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को सदन में जम्मू कश्मीर विनियोग विधेयक पर चर्चा के दौरान राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के नेतृत्व में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के सदस्यों के आचरण को खेदजनक बताते हुए कहा कि इससे लोकतंत्र की बुनियाद कमजोर होती है। धनखड़ ने कहा कि चर्चा के बीच उन्हें सदन में कांग्रेस के उप नेता प्रमोद तिवारी का एक लिखित संदेश मिलता है, जिसमें लिखा गया था कि नेता विपक्ष एक अत्यावश्यक मुद्दे पर बोलना चाहते हैं लेकिन इसमें यह नहीं लिखा था कि वह किस विषय पर बोलना चाहते हैं।

पश्चिम बंगाल के चार मंत्रियों के विभागों में फेरबदल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने बुधवार को राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस की मंजूरी के बाद कैबिनेट स्तर के तीन मंत्रियों समेत चार मंत्रियों के विभागों में फेरबदल किया। कुछ मंत्रियों को उनके वर्तमान विभागों के अलावा अतिरिक्त जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं ।गृह विभाग की एक अधिसूचना के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मानस भुंइया को उनके मौजूदा जल संसाधन जांच विभाग के अलावा सिंचाई एवं जलमार्ग विभाग का जिम्मा भी सौंपा गया है।सिंचाई और जलमार्ग विभाग पहले पार्थ भौमिक के पास था, जो बैरकपुर निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा के लिए चुने गए थे। इसके अलावा बाबुल सुप्रियो को सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स के अलावा सार्वजनिक उद्यम और औद्योगिक पुनर्निर्माण विभाग का प्रभार दिया गया। मोहम्मद गुलाम रब्बानी, जो पहले पर्यावरण विभाग संभालते थे, अब गैर-परंपरागत ऊर्जा स्रोत विभाग के मंत्री होंगे।

लोकसभा में आज पेश हो सकते हैं वक्फ से जुड़े दो विधेयक

सरकार बिल पर सहमति बनाने के करेगी प्रयास, प्रवर समिति को भेजना संभव

- लोकसभा सदस्यों को दी बिल के मसौदे की कॉपी

एजेंसी | नई दिल्ली

वक्फ अधिनियम 1995 की 44 धाराओं में संशोधन करने वाला एक विधेयक गुरुवार को लोकसभा में पेश किए जाने की संभावना है। कहा जा रहा है कि संशोधन के बाद गैर-मुस्लिम व्यक्तियों और मुस्लिम महिलाओं को भी केंद्रीय और राज्य वक्फ निकायों में शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा, 1923 के वक्फ अधिनियम को खत्म करने के लिए एक और विधेयक पेश किया जाएगा। इस बिल को पेश किए जाने से पहले मंगलवार रात को इसकी कॉपी लोकसभा सदस्यों को दे दी गईं। बताया जा रहा है कि सरकार चाहती है कि इस विधेयक पर सभी दलों को साथ लिया जाए। इसलिए सरकार विधेयक पर सर्वसम्मति बनाने के लिए उसे प्रवर समिति (सेलेक्ट कमेटी) को भेज सकती है। सूत्रों के अनुसार अगर सदन में इस बिल पर आम सहमति नहीं बनी तो सरकार इस विधेयक को और ज्यादा चर्चा के लिए किसी संयुक्त समिति को भी भेज सकती है। सरकार वक्फ बोर्ड को नियंत्रित करने वाले 1995 के कानून में संशोधन करने के लिए संसद में एक विधेयक लाने वाली है, ताकि इनके कामकाज में अधिक जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके तथा इन संस्थाओं में महिलाओं की अनिवार्य भागीदारी सुनिश्चित हो सके। मीडिया रिपोर्ट क मुताबिक, संशोधन के तहत 1995 के कानून का नाम बदलकर यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट, एंपावरमेंट एफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट एक्ट कर दिया जाएगा। इस कानून का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों का बेहतर प्रबंधन करना है। वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन करने वाला विधेयक वक्फ बोर्ड के लिए अपनी संपत्तियों का वास्तविक मूल्यांकन सुनिश्चित करने को लेकर जिलाधिकारियों के पास पंजीकरण कराना अनिवार्य कर देगा। देश में 30 वक्फ बोर्ड हैं। सूत्रों ने बताया कि सभी वक्फ संपत्तियों से प्रति वर्ष 200 करोड़ रुपए का राजस्व आने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि हालांकि यह वक्फ के पास मौजूद संपत्तियों की संख्या के अनुरूप नहीं है।

असीमित अधिकारों को किया जाएगा कम

वक्फ अधिनियम में ऐसे अनेक प्रावधान हैं जिसमें वक्फ बोर्ड को असीमित अधिकार दिए गए हैं। किसी संपत्ति को वक्फ संपत्ति घोषित कर दिया जाए तो उसका मालिक सर्वोच्च अदालत में भी उसे चुनौती नहीं दे सकता है। वक्फ संपत्ति का प्रशासन में पंजीकरण नहीं हो सकता है। नए विधेयक में इस प्रकार के सभी असीमित अधिकारों को कम करके पारदर्शिता लाने का प्रयास किया जा रहा है।

नए वक्फ अधिनियम में यह हैं प्रस्ताव

वक्फ बोर्डों में हो दो महिलाएं

केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्डों में दो महिलाएं होनी चाहिए। परिषद में अब एक केंद्रीय मंत्री, तीन सांसद, मुस्लिम संगठनों के तीन प्रतिनिधि और तीन मुस्लिम कानून विशेषज्ञ शामिल होंगे। इसमें दो पूर्व न्यायाधीश, या तो सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट के, चार राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त व्यक्ति और केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे।

संपत्ति के पंजीकरण से पूर्व देना होगा नोटिस

इन बदलावों के लिए परिषद और बोर्डों के लिए एक गैर-मुस्लिम श्रेणी बनाने की आवश्यकता थी क्योंकि सांसदों और सरकारी अधिकारियों को धार्मिक आधार पर निकायों के लिए नामित नहीं किया जा सकता है। नए कानून के तहत किसी भी संपत्ति को वक्फ के रूप में पंजीकृत करने से पहले नोटिस की आवश्यकता होगी। इसके अलावा, यह पंजीकरण एक केंद्रीकृत वेबसाइट पर होना चाहिए।

कलेक्टर को होगा सर्वेक्षण का अधिकार

वक्फ संपत्तियों के सर्वेक्षण का अधिकार अब जिला कलेक्टर या उनके डिप्टी को दिया जाएगा। बोर्ड के फैसले के 90 दिनों के भीतर उच्च न्यायालय में अपील दायर करने का भी प्रावधान होगा।

केवल मुस्लिम ही कर सकेंगे संपत्ति दान : केवल मुस्लिम धर्मावलंबियों को ही अपनी चल या अन्य संपत्ति वक्फ परिषद या बोर्ड को दान करने की अनुमति होगी। केवल कानूनी मालिक ही यह निर्णय ले सकता है।

70 ग्रुपों से किया मशविरा

इस विधेयक पर पिछले 2 महीने में सरकार ने लगभग 70 ग्रुप से मशविरा किया है। विधेयक का मकसद वक्फ संपत्तियों को अवैध कब्जे से निजात दिलाना है। बता दें कि वक्फ के पास देश में सबसे बड़ी चल और अचल संपत्ति है।

चुनाव आयोग ने घोषित किया कार्यक्रम

राज्यसभा: 9 राज्यों की 12 सीटों पर उप चुनाव 3 सितंबर को

एजेंसी | नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने 9 राज्यों में राज्यसभा 12 रिक्त सीटों पर 3 सितंबर को उप चुनाव कराने की घोषणा की है। इनमें से 10 सीटें राज्यसभा सदस्यों के हालिया लोकसभा चुनावों में निर्वाचित होने से खाली हुई थीं, जबकि दो अन्य सीटें राज्यसभा सदस्यों के इस्तीफे से रिक्त हुई हैं। चुनाव आयोग के अनुसार, उप चुनाव की अधिसूचना 14 अगस्त को जारी होगी, जबकि नामांकन 21 अगस्त तक होंगे। 22 अगस्त को नामांकन-पत्रों की जांच होगी और 27 अगस्त तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। आयोग द्वारा बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि जरूरी हुआ तो 3 सितंबर को वोटिंग होगी और उसी दिन शाम में मतगणना भी होगी। उप चुनाव 6 सितंबर से पहले संपन्न हो जाने चाहिएं। बता दें कि जो राज्यसभा सदस्य लोकसभा चुनावों में चुनकर आए हैं, उनमें केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल (महाराष्ट्र), दीपेंद्र सिंह हुड्डा (हरियाणा), ज्योतिरादित्य सिंधिया (मध्य प्रदेश), और कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल (राजस्थान) शामिल हैं। इनके अलावा बीआरएस सांसद के.केशव राव ने 5 जुलाई को और बीजद सांसद ममता मोहंता ने 31 जुलाई को राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया था। चुनाव आयोग ने निर्देश दिया है कि उप चुनाव में रिटर्निंग अधिकारी द्वारा दिए गए केवल बैंगनी रंग के स्केच पेन का ही उपयोग मतपत्र पर वरीयताओं को चिह्नित करने के लिए किया जा सकेगा। बिहार से लोकसभा चुनाव जीतने वालों में राजद की मीसा भारती और भाजपा के नवादा से सांसद विवेक ठाकुर तो असम से कामाख्या प्रसाद तासा और सर्बानंद सोनोवाल हैं। इनके अलावा त्रिपुरा से बिप्लब कुमार देब भी लोकसभा चुनाव जीतने वालों में शामिल हैं।

कहां कितनी सीटों पर चुनाव

असम	2
बिहार	2
महाराष्ट्र	2
हरियाणा	1
मध्य प्रदेश	1
राजस्थान	1
त्रिपुरा	1
तेलंगाना	1
ओडिशा	1

बिहार: भगवा खेमे की विधानसभा चुनावों पर नजर

BJP चलाएगी हर घर तिरंगा अभियान

एजेंसी | पटना

बिहार में 2025 में होने वाले बिहार विधान सभा चुनाव भले ही अभी दूर हों पर भाजपा ने अपनी स्वतंत्रता दिवस पर हर घर तिरंगा अभियान चलाकर लोगों तक पहुंचने की रणनीति तैयार की है। पार्टी ने मंगलवार को यहां प्रदेश कार्यालय में यह अभियान शुरू करने की घोषणा की। इस अभियान के तहत, 13 अगस्त से 15 अगस्त के बीच, भाजपा कार्यकर्ता बिहार के हर घर में जाकर लोगों को तिरंगा बांटेंगे और उन्हें ध्वज फहराने की प्रेरणा देंगे। इस दौरान कार्यकर्ता लोगों को ध्वज संहिता के बारे में भी जानकारी देंगे, ताकि लोग तिरंगे का सम्मान सही तरीके से कर सकें

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि भाजपा सिर्फ राजनीति नहीं करती, बल्कि देश में राष्ट्रवाद को बढ़ावा देना भी हमारी जिम्मेदारी है। इस अभियान के माध्यम से हम अपने देशवासियों को राष्ट्रीय ध्वज के महत्व से अवगत कराएंगे और देशभक्ति की भावना जागृत करेंगे।

लोकसभा चुनाव और मेरी मिट्टी मेरा देश कार्यक्रम

लोकसभा चुनाव 2024 के पहले चुनावी जमीन तैयार करने के लिए भाजपा ने 'मेरी मिट्टी मेरा देश' कार्यक्रम चलाया था। इस कार्यक्रम के तहत भाजपा हर घर में अपनी उपस्थित दर्ज कराते देश के हर घर से मिट्टी और शहरी क्षेत्र से एक चुटकी चावल संग्रह करना था। इस मिट्टी या चावल को गांव, मंडल और फिर जिला, प्रदेश और अंत में देश की राजधानी दिल्ली के कर्तव्य पथ पर भेजा गया।

चार राज्यों के विधानसभा चुनाव के साथ कई राज्यों में होने हैं उप चुनाव

पक्ष-विपक्ष के लिए होगी अग्नि परीक्षा

एजेंसी | नई दिल्ली

इस साल चार राज्यों महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड और जम्मू-कश्मीर में होने वाले विधानसभा चुनावों के साथ कई राज्यों में विधानसभा की खाली सीटों के लिए भी उपचुनाव होने की संभाववना है। कुल मिलाकार करीब 45 सीटों पर उपचुनाव होने हैं। इनमें ज्यादातर विधानसभा सीट हैं। ये सीटें उन विधायकों के इस्तीफे से खाली हुई हैं, जो हाल ही हुए लोकसभा चुनाव में निर्वाचित होकर संसद में पहुंच चुके हैं। वहीं दो सीटों से चुनाव लड़कर निर्वाचित हुए सदस्यों को एक लोकसभा सीट खाली करनी

पड़ी है। इनमें केरल की वायनाड सीट भी शामिल है, जो कांग्रेस नेता राहुल गांधी के इस्तीफे के कारण खाली हुई है। राहुल गांधी वायनाड के अलावा उत्तर प्रदेश की रायबरेली सीट से भी निर्वाचित हुए थे। बाद में उन्होंने वायनाड सीट से इस्तीफा दे दिया था। उप चुनावों के दौरान भी संबंधित राज्यों में सत्तारूढ़ दल के लिए कड़ी सियासी परीक्षा होगी। उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक 10 विधानसभा सीटों पर उप चुनाव होना है, जिनमें से अखिलेश यादव के इस्तीफे से खाली मैनपुरी की करहल और अयोध्या के सांसद बने अवधेश प्रसाद की मिल्कीपुर सीट भी शामिल है। वह अब तक यहीं से विधायक थे। गाजियाबाद, कुंदरकी जैसी सीटों पर भी उप चुनाव होना है। वहीं मध्य प्रदेश में पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान की विधानसभा सीट बुधनी में भी उप चुनाव होगा। अब वह विदिशा सीट से सांसद बन चुके हैं। वहीं कर्नाटक में बसवराज बोम्मई, एचडी कुमारस्वामी, बिहार में जीतन राम मांझी और सिक्किम में सीएम प्रेम सिंह तमांग की छोड़ी हुई सीटों पर भी मतदान होगा। उत्तर प्रदेश के बाद दूसरे नंबर पर पश्चिम बंगाल है। यहां 6 सीटों पर उपचुनाव होगा। इसेक अलावा असम और राजस्थान में 5-5 सीटों के लिए उप चुनाव होगा। बिहार और पंजाब में 4-4 सीटों पर उपचुनाव होना है। नियम के अनुसार किसी भी सीट को 6 महीने से ज्यादा खाली नहीं रखा जा सकता। ऐसे में ज्यादातर सीटों पर नवंबर तक मतदान करा लिया जाएगा। उत्तर प्रदेश में भाजपा को लोकसभा चुनाव में झटका लगा था। ऐस में अब 10 विधानसभा सीटों पर जीत के जरिए वह ताकत दिखाना चाहेगी।

कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से मिले शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे, कहा...

सहयोगी दलों से पूछें- क्या मैं सीएम फेस के लिए ठीक हूं: उद्धव ठाकरे

एजेंसी | नई दिल्ली

महाराष्ट्र में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बुधवार को दिल्ली में कांग्रेस नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन से खुद को मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर पेश किए जाने की इच्छा को लेकर इशारा किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अगर मैनें अच्छा काम किया है कि तो मेरे एमवीए गठबंधन के सहयोगियों से पूछा जाए कि क्या मैं सीएम बनने के लिए ठीक हूं? लोग इस बारे में फैसला लेंगे। उद्धव

ठाकरे ने दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल, पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता डेरेक ओ ब्रायन, आप नेता संजय सिंह और समाजवादी पार्टी के लोकसभा सदस्य आदित्य यादव से मुलाकात की। इस दौरान उद्धव के बेटे आदित्य ठाकरे और राज्यसभा सदस्य संजय राउत भी साथ थे।

सत्ता की लालसा में कांग्रेस के सामने झुक रहे उद्धव: निरुपम

उद्धव ठाकरे की मुलाकात को लेकर शिवसेना शिंदे के नेता संजय निरुपम ने कहा कि सत्ता की लालसा में उद्धव ठाकरे कांग्रेस नेताओं के आगे झुक रहे हैं। उनकी दिल्ली यात्रा ठाकरे की लाचारी दिखाती है। वह खुद को मुख्यमंत्री के दावेदार के रूप में स्थापित करना चाहते हैं, लेकिन शरद पवार इनका समर्थन नहीं करेंगे। इसलिए उद्धव अन्य पार्टियों को गठबंधन में शामिल करने की मांग कर रहे हैं।

मैं जिम्मेदारी से भागने वाले नेताओं में से नहीं

बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि महाराष्ट्र के किसान और युवा भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन से तंग आ चुके हैं। महाराष्ट्र के 13 करोड़ लोग अब बदलाव की ओर देख रहे हैं। नेताओं से मुलाकात से पहले उद्धव ठाकरे ने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री बनने का सपना नहीं देखा था और न ही मैं बनना चाहता था। लेकिन मैं जिम्मेदारी से भागने वालों में से भी नहीं हूं। मैंने जिम्मेदारी ली और अपनी क्षमताओं के अनुसार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि अगर मेरे सहयोगियों को लगता है कि मैंने उत्कृष्ट काम किया है, तो उनसे पूछें कि क्या वे मुझे मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद से अब तक विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेताओं की कोई औपचारिक बैठक नहीं हुई थी। इसलिए वे दिल्ली आए हैं। इस साल के अंत में महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड में चुनाव होने हैं और विपक्षी गठबंधन इंडिया को एकजुट होकर चुनाव लड़ना चाहिए। वहीं सांगली ने लोकसभा सदस्य विशाल पाटिल ने भी ठाकरे से मुलाकात की। पाटिल ने लोकसभा चुनाव में शिवसेना के उम्मीदवार को हराया था। मुलाकात को लेकर उद्धव ठाकरे ने कहा कि मैं उनमें से नहीं हूं जो द्वेष पालता रहूं। सांगली सीट पर शिवसेना-यूबीटी उम्मीदवार के हार जाने का दुख है, लेकिन इस बात की खुशी है कि भाजपा हार गई। ठाकरे ने कहा कि विशाल पाटिल ने एमवीए के साथ गठबंधन किया है और आश्वासन दिया है कि आगामी चुनाव में पुरानी गलती नहीं दोहराएंगे।

जरूरी खबर

मारपीट मामला: केजरीवाल-बिभव CM आवास में थे

नई दिल्ली। स्वाति मालीवाल से कथित मारपीट मामले में दिल्ली पुलिस के एक खुलासे से नया मोड़ आ गया है। दिल्ली पुलिस ने आरोप-पत्र में कहा है कि कथित अपराध के बाद बिभव कुमार और अरविंद केजरीवाल काफी समय तक सीएम आवास पर एक साथ मौजूद थे। बिभव कुमार पर 13 मई को मुख्यमंत्री आवास पर आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल पर हमला करने का आरोप है। फिलहाल बिभव कुमार न्यायिक हिरासत के तहत जेल में है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि शिकायतकर्ता ने 10 जुलाई 2024 को दिल्ली हाईकोर्ट के समक्ष आरोपी की जमानत पर सुनवाई के बाद दर्ज अपने पूरक बयान में कहा था कि जिस तरह से आप के सभी नेता और कार्यकर्ता अपने ही एक सांसद के खिलाफ आरोपी बिभव कुमार के समर्थन में उतरे उससे पता चलता है कि हमले के पीछे एक बड़ी साजिश है।

4 साल में सभी इंजन होंगे कवच प्रणाली से लैस

नई दिल्ली। पायलट की गलतियों से एक ही पटरी पर दो ट्रेनों के बीच होने वाले टक्कर पर जल्द नियंत्रण लग जाएगा। अगले चार वर्षों में ही देश के सारी ट्रेनों में 'कवच' प्रणाली लगा दी जाएगी। रेलवे ने अभी दस हजार किमी रेल रूट पर कवच लगाने का काम तीन कंपनियों को दिया है। बाकी रेल रूट, लोकोमोटिव एवं आठ हजार स्टेशनों के लिए निविदा प्रक्रिया पूरी की जा रही है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को मीडिया को बताया कि रेलवे ने स्वदेशी तकनीक एवं संसाधनों से कवच का विकास किया है। इसके 4.0 वर्जन को 17 जुलाई को पूरा किया है।

काकोरी प्रतिरोध शताब्दी वर्ष का आयोजन आज से

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित थिंक टैंक सेंटर फॉर सिविलाइजेशनल स्टडीज की ओर से स्वातंत्र्य वीरों की स्मृति को सजीव बनाए रखने के प्रयासों की श्रृंखला में काकोरी प्रतिरोध के 100 वर्ष होने के अवसर को इसके शताब्दी वर्ष समारोह के रूप में 8 अगस्त से 9 अगस्त 2025 तक मनाने का संकल्प लिया गया है। इसका उद्घाटन 8 अगस्त को दिल्ली के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में किया जाएगा। केन्द्र के निदेशक रवि शंकर ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि काकोरी सशस्त्र प्रतिरोध शताब्दी वर्ष संबंधी कार्यक्रम पूरे वर्ष देश के अलग-अलग स्थानों पर करने की योजना है।

तटरक्षक बल ने आग में झुलसे मछुआरे को बचाया

चेन्नई। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने आंध्र प्रदेश के काकीनाडा तट के पास समुद्र में दुर्घटना के शिकार हुए तमिलनाडु के मछुआरों के एक समूह को बचा लिया है। चेन्नई स्थित आईसीजी के समुद्री बचाव समन्वय केंद्र को मंगलवार देर रात एक मछुआरे के चोट लगने की सूचना मिली थी। मछुआरा आग से झुलसा हुआ था।

त्वरित न्याय: दो महीना छह दिन में उम्रकैद

अमरोहा। पांच साल की मासूम को घर ले जाकर दुष्कर्म करने के मामले में अदालत ने युवक को उम्रकैद की सजा सुनाई है। दो महीना छह दिन के भीतर आए इस फैसले में अहम बात यह रही कि पीड़िता के बयान के साथ ही डीएनए रिपोर्ट को भी अदालत ने साक्ष्य मानते हुए फैसला सुनाया है। उस पर 75 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। थाना व कस्बा सैदनगली में एक मजदूर परिवार रहता है। बीते 20 मई की दोपहर मजदूर की पांच साल की बेटी घर से थोड़े फासले पर लगे प्याऊ से पानी लेने जा रही थी। पड़ोस के रहने वाला युवक उसे बहला-फुसलाकर अपने घर ले गया था। उसे ले जाते समय कई लोगों ने देखा था। घर ले जाकर उसने मासूम के साथ दुष्कर्म किया था।इस मामले में पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने आसिफ के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली थी। आरोपी को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पुलिस ने घटनास्थल से सभी साक्ष्य जुटाए थे।

बांग्लादेश के हालात और हिंदुओं पर हमलों से भारत में चिंता

घुसपैठ का खतरा बढ़ा...500 600 लोगों को BSF ने रोका

■ भारत ने दूतावास से कुछ कर्मचारियों को वापस बुलाया ■ उपद्रवियों ने प्रसिद्ध कलाकर राहुल आनंदा का घर किया आग के हवाले

■ भारतीयों को निकालने की योजना भी तैयार कर रही है सरकार

एजेंसी | नई दिल्ली

बांग्लादेश में बिगड़ते हालात के बीच भारत अपने राजनयिकों के साथ-साथ वहां फंसे भारतीयों को निकालने के लिए योजना तैयार कर रहा है। भारत बांग्लादेश की सेना के संपर्क में है ताकि जरूरत पड़ने पर अपने राजनयिकों और नागरिकों को निकाला जा सके। वहीं, बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं, उनके व्यापारिक प्रतिष्ठानों व मंदिरों पर हमलों पर भारत के कई नेताओं ने चिंता जताई है तथा उनकी सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने की मांग की है। उपद्रवियों ने मशहूर लोक गीत गायक राहुल आनंदा घर को जला दिया। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार बांग्लादेश के 27 जिलों में हिंदुओं के घरों और व्यापार के स्थानों को निशाना बनाया जा रहा है। इस बीच, भारत ने ढाका स्थित अपने दूतावास से कई ऐसे कर्मचारियों को वापस बुला रहा है, जो बहुत जरूरी कामकाज में संलग्न नहीं है। ये लोग अपने परिवारों के साथ वापस लौट रहे हैं। हालांकि बांग्लादेश में मौजूद भारत के सभी वाणिज्य दूतावासों में सामान्य कामकाज जारी रहेगा। क्योंकि फिलहाल बांग्लादेश में करीब 12000 भारतीय मौजूद हैं। उनसे दूतावास संपर्क में है और किसी भी तरह की मदद की जरूरत पड़ने पर उन तक सहायता पहुंचाई जा रही है।

बांग्लादेश जैसा भारत में हो सकता है: खुर्शीद

कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद कहा कि बांग्लादेश में जो हो रहा है, वैसा भारत में भी हो सकता है। खुर्शीद ने कहा कि भले ही ऊपर से सब कुछ ठीक लग रहा हो, लेकिन बांग्लादेश जैसे हालात यहां भी बन सकते हैं। उन्होंने मंगलवार को अकादमिक जगत के विद्वान मुजीबुर रहमान की पुस्तक 'शिकवा-ए-हिंद: भारतीय मुस्लिमों का राजनीतिक भविष्य' के लोकार्पण के मौके पर ये बातें कहीं।

बांग्लादेश पूर्वोत्तर के उग्रवादियों के लिए बन सकता है सुरक्षित ठिकाना: सरमा

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने चिंता जताई है कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद बांग्लादेश एक बार फिर भारत के पूर्वोत्तर से आए उग्रवादियों का सुरक्षित ठिकाना बन सकता है। सरमा ने हिंदुओं सहित अल्पसंख्यकों पर हमलों को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने बुधवार को कहा कि बांग्लादेश में स्थिति पूर्वोत्तर के राज्यों के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सीमा की सुरक्षा की जानी चाहिए क्योंकि पड़ोसी देश के लोग भारत-बांग्लादेश सीमा के माध्यम से इस क्षेत्र में प्रवेश करने का प्रयास कर सकते हैं।

योगी ने सचेत रहने को कहा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बांग्लादेश में हो रही हिंसा को लेकर बुधवार को लोगों को सचेत रहने और इतिहास से सबक लेने की नसीहत दी। उन्होंने अयोध्या में एक कार्यक्रम में कहा कि सनातन धर्म को एकजुट रहने की आवश्यकता है। पड़ोसी देश में मंदिर तोड़े जा रहे हैं। चुन-चुनकर हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है।

दूसरी ओर सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने उन्हें पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी के पास भारतीय सीमा में प्रवेश करने 500 बांग्लादेशी नागरिकों ने भारत में प्रवेश करने से रोक दिया। बीएसएफ को सूचना मिली थी कि 500 से 600 के करीब बांग्लादेशी नागरिक खेतों के बीच से भारत की ओर आ रहे है। बीएसएफ अधिकारियों ने तेजी दिखाते हुए कार्रवाई की। जांच के बाद सभी को बांग्लादेशी सीमा बल के अधिकारियों के साथ बातचीत कर वापस भेज दिया गया। घुसपैठ की इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

उद्धव ठाकरे का पीएम मोदी पर निशाना- धैर्य की परीक्षा ना ले

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बुधवार को कहा है कि बांग्लादेश में हुई घटना ने दुनिया को यह संदेश दिया है कि जनता सबसे ऊपर है और नेताओं को उनके धैर्य की परीक्षा नहीं लेनी चाहिए। उन्होंने कहा, आम जनता के पास दुख सहने की एक सीमा होती है। फिर वे अपना फैसला सुनाएंगे। यह बांग्लादेश में हुआ। ऐसी चीजें कहीं भी, कभी भी हो सकती हैं। उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को बांग्लादेश में अत्याचारों का शिकार हो रहे हिंदुओं को बचाने की चुनौती भी दी है। ठाकरे ने कहा,अगर प्रधानमंत्री मोदी यूक्रेन में युद्ध रोक सकते हैं तो उन्हें बांग्लादेश में भी ऐसा करना चाहिए और वहां के हिंदुओं को बचाने के लिए भी जल्द कदम उठाने चाहिए।

भारत हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर चिंता करे: जग्गी वासुदेव

इस बीच, सद्गुरु के नाम से प्रसिद्ध जग्गी वासुदेव ने भारत को वहां हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार की चिंता करने की सलाह दी है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार सिर्फ बांग्लादेश का आंतरिक मामला नहीं है। अगर हम अपने पड़ोस में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जल्द से जल्द खड़े होकर कार्रवाई नहीं करते हैं तो भारत कभी भी महा-भारत नहीं बन सकता है।

चार आतंकियों के छिपे होने का संदेह

सुरक्षा बलों ने घेराबंदी बढ़ाई, स्थानीय लोगों से मदद मिलने का संदेह

एजेंसी | जम्मू

जम्मू कश्मीर के उधमपुर के बसंतगढ़ क्षेत्र में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मंगलवार शाम चार बजे के करीब मुठभेड़ के बाद सेना ने जंगल में छिपे आतंकियों की घेराबंदी बढ़ा दी। अभी किसी भी आतंकी के मारे जाने की सूचना नहीं है। तब दोनों ओर से दो घंटे तक गोलीबारी हुई। मौसम खराब होने और धुंध के बीच सुरक्षाबलों ने देर शाम तक तलाशी अभियान चलाया। जवानों ने घने जंगलों में चारों और पहरा लगाया हुआ है, जवान पूरी तरह सुरक्षा कवचों से कवर नजर आ रहे हैं। जगंल में वर्षा और घनी धुंध सुरक्षाबलों के लिए अभियान चलाने में बाधा पैदा कर रही है।

उधमपुर रियासी रेंज के डीआइजी रईस मोहम्मद भट का कहना है, पिछले तीन-चार दिनों से हम यहां की गतिविधियों पर नजर रख रहे थे और कल हमें आंदोलन के बारे में कुछ विशेष जानकारी मिली और उसके बाद हमने इलाके की घेराबंदी कर दी। तीन-चार आतंकवादियों का एक समूह हमारे घेरे में फंसा हुआ है और इसके कारण ऑपरेशन चल रहा है। हमें उम्मीद है कि समूह को जल्द से जल्द निष्प्रभावी कर दिया जाएगा।

बीते तीन महीने से आतंकियों का बसंतगढ़ के ऊपरी जंगलों व पहाड़ों पर नजर आना जारी है। लोग संदिग्ध देखे जाने की लगातार सूचना दे रहे हैं। इनते समय तक बिना गाइड व मददगारों के छिपना संभव नहीं है। सूत्रों की माने तो इन आतंकियों को किसी स्थानीय के यहां शरण मिल रही है। मौजूदा समय में गुज्जर-बकरवालों के कई डेरे जंगलों व पहाड़ों पर हैं। इनको धमकाकर आतंकी खाने का इंतजाम कर लेते हैं। सुरक्षाबलों को अप्रैल से इस क्षेत्र में आतंकियों की गतिविधियों के बारे में सूचना है।

हाई कोर्ट ने ईडी से पूछा...

क्या केजरीवाल को फिर से अरेस्ट करना चाहते हैं!

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को मनी लॉन्ड्रिंग केस में ट्रायल कोर्ट से मिली जमानत को ईडी ने हाई कोर्ट में चुनौती दी है। ईडी की ओर से मामले में जल्द सुनवाई की अपील पर हाई कोर्ट ने पूछा कि क्या जांच एजेंसी दिल्ली के मुख्यमंत्री को दोबारा गिरफ्तार करना चाहती है। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा की अदालत में बुधवार को मामले की सुनवाई हुई। न्यायाधीश ने ईडी से सवाल किया, मैं असमंजस में हूं। आप करना क्या चाहते हैं? क्या आप उनको दोबारा गिरफ्तार करने जा रहे हैं?' ट्रायल कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को जमानत दी थी जिस पर हाई कोर्ट ने रोक लगा दी थी। बाद में केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मामले में अंतरिम जमानत दे दी।

डेरे की गद्दी को लेकर विवाद, इंटरनेट सेवा बंद, आरएएफ तैनात

सिरसा (हरियाणा)। हरियाणा के सिरसा में डेरा जगमालवाली के संत बहादुर चंद वकील की अंतिम अरदास व भोग कार्यक्रम गुरुवार को होगा। विवाद की आंशका के चलते जिले में बुधवार शाम 5 बजे से ही इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है, जोकि गुरुवार रात 12 बजे तक बाधित रहेगी। सुरक्षा के दृष्टि से डेरे में पुलिस की आठ और आरएएफ की एक कंपनी तैनात की गई हैं। संत के चोला छोड़ने के बाद डेरे की गद्दी को लेकर विवाद चल रहा है। इसको लेकर दो गुट आमने-सामने बने हुए हैं। चार दिन पहले ही संगत ने डेरे के पूर्व प्रमुख संत मैनेजर के भतीजे गुरप्रीत सिंह को गद्दी के लिए बैठाया था। ऐसे में पुलिस बल को तैनात किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के जज की टिप्पणी हटाई

कोर्ट में जज टिप्पणी करते समय जिम्मेदारी दिखाएं: CJI

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि जजों को अदालतों में कार्यवाही के दौरान टिप्पणियां करते समय संयम और जिम्मेदारी दिखानी चाहिए, विशेषकर तब जब सुनवाई का सीधा प्रसारण हो रहा हो। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय की एकल पीठ द्वारा अवमानना कार्यवाही में शीर्ष अदालत के खिलाफ की गई अनुचित टिप्पणियों को सुनवाई से हटाते हुए यह कहा। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की विशेष पीठ ने कहा, ऐसे समय में जहां अदालत में होने वाली किसी भी कार्यवाही की व्यापक रिपोर्टिंग होती है,

यह और भी अधिक आवश्यक है कि न्यायाधीश कार्यवाही के दौरान अदालत में की जाने वाली टिप्पणियों में संयम और जिम्मेदारी दिखाएं। पीठ में न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायाधीश बी आर गवई, न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायाधीश ऋषिकेश रॉय भी शामिल थे। पीठ ने उच्च न्यायालय के न्यायाधीश राजबीर सेहरावत द्वारा 17 जुलाई के आदेश में की गई टिप्पणियों को हटा दिया। सुनवाई के दौरान मामले में पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने उच्च न्यायालय के समक्ष 17 जुलाई की कार्यवाही का एक वीडियो प्रसारित होने का हवाला दिया। पीठ ने कहा, 17 जुलाई, 2024 का आदेश एक वीडियो के कारण और जटिल बन गया है, जो सुनवाई के दौरान एकल न्यायाधीश द्वारा की गई अनुचित अनावश्यक टिप्पणियों को दर्शाता है। पीठ ने कहा कि वीडियो में जो टिप्पणियां की गई हैं, वे न्यायिक प्रक्रिया की पवित्रता को अपूरणीय क्षति पहुंचा सकती हैं। शीर्ष अदालत ने कहा, 'हमें उम्मीद और भरोसा है कि भविष्य में सावधानी बरती जाएगी। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि वह 17 जुलाई के आदेश में उच्च न्यायालय के एकल न्यायाधीश द्वारा की गई टिप्पणियों से व्यथित है। शीर्ष अदालत ने कहा कि उसे अवगत कराया गया है कि उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने न्यायाधीश की टिप्पणियों का स्वतः संज्ञान लिया है और उनके आदेश पर रोक लगा दी।

मां भले ही कमाती हो, बच्चे की परवरिश पिता की जिम्मेदारी: हाई कोर्ट

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट ने हाल ही में एक याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा कि बच्चों का भरण पोषण करने की जिम्मेदारी पिता की होती है। यह पिता का दायित्व है कि वह अपने नाबालिग बच्चों का भरण-पोषण करे, भले ही मां कामकाजी हो और कमाती भी हो। जस्टिस संजय धर ने सुनवाई के दौरान कहा कि मां कामकाजी हो तो भी पिता अपने बच्चों का भरण-पोषण करने की जिम्मेदारी से मुक्त नहीं है। कोर्ट में एक शख्स ने दलील दी थी कि उसके पास अपने नाबालिग बच्चों को भरण-पोषण देने के लिए पर्याप्त आय नहीं है। शख्स ने यह भी तर्क दिया कि उसकी अलग रह रही पत्नी और बच्चों की मां एक कामकाजी महिला है, जिसके पास बच्चों की देखभाल करने के लिए पर्याप्त आय है। हालांकि कोर्ट ने इस तर्क को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा, नाबालिग बच्चों के पिता होने के नाते का उनका भरण-पोषण करना पिता की कानूनी और नैतिक जिम्मेदारी है। यह सच है कि बच्चों की मां कामकाजी महिला हैं और उनके पास आया का स्रोत है लेकिन इससे पिता होने के नाते याचिकाकर्ता को अपने बच्चों का भरण-पोषण करने की जिम्मेदारी से मुक्ति नहीं मिलती। इसलिए यह तर्क निराधार है।"

दिल्ली: 85 कोचिंग सेंटर और संपत्तियां सील, 200 को नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर की घटना के बाद एमसीडी की ओर से लगातार कड़ी कार्रवाई सामने आ रही है। दिल्ली में अवैध रूप से कोचिंग संस्थानों, पीजी और पुस्तकालयों के संचालन पर नकेल कसने के लिए नगर निगम प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। ओल्ड राजेंद्र नगर की घटना 27 जुलाई को रात के समय घटी थी। तब से लेकर अब तक निगम प्रशासन ने लगभग 85 कोचिंग सेंटरों, बेसमेंट व संपत्तियों को भवन निर्माण का उल्लंघन करने पर सील कर दिया है। इसके अतिरिक्त निगम ने 200 से अधिक संपत्तियों व उनके मालिकों को नियमों का उल्लंघन करने पर नोटिस जारी किए हैं।

राजधानी में तीजोत्सव की रही धूम: विभिन्न समाजों और महिला संगठनों ने मनाया उत्सव

लहरिया ओढ़ किए सोलह श्रृंगार... सावन के गीतों पर लगाए ठुमके, झूलों पर झूलीं

बेधड़क | जयपुर

शहर में बुधवार को तीजोत्सव की धूम रही। अलग-अलग महिला संगठनों की ओर से तीज उत्सव के कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें महिलाएं सावन व तीज के गीतों के साथ तीज पर्व मनाया। समाज व संगठनों की ओर से अलग-अलग जगह तीज महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एक डांस प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। इस दौरान महिलाओं के जीवन में तीज उत्सव के महत्व पर भी चर्चा हुई। जयपुर में माली सैनी समाज की महिलाओं की ओर से तीज सावन महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर जूनियर व सीनियर वर्ग में नृत्य, चेयर रेस, मेहंदी और अंताक्षरी की प्रतियोगिता आयोजित की गई। महिला सैनी समाज की ओर से सावन लहरिया तीज उत्सव भी मनाया गया। कार्यक्रम में मौजूद शिल्पी बताया कि कार्यक्रम में महिलाओं के लिए मैजिक शो, सोलह श्रृंगार, लहरिया प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। तीज क्वीन 2024 में विजेता दिव्या सैनी रही। विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

लहरिया और घेवर के बिना अधूरा है त्योहार

दरअसल, अखंड सौभाग्य का पाव हरियाली तीज का त्योहार लहरिया और घेवर के बिना अधूरा ही माना जाता है। लहरिया की बात करें तो राजस्थानी संस्कृति से जुड़े लोगों के लिए ये सिर्फ कपड़े पर उकेरा गया एक डिजाइन नहीं, बल्कि यहां की संस्कृति से जुड़ा हुआ पहनावा है, जो एक विवाहिता के जीवन में खुशहाली का प्रतीक माना जाता है। यही वजह है कि महिलाओं के मायके से सिंजारा आता है, जिसमें सुहाग के सामान के साथ घेवर और लहरिया भी आता है। चूंकि सावन की तीज को हरियाली तीज भी कहा जाता है और जिस तरह है हरियाली में बाग-बगीचे लहलहा उठते हैं, उसी तरह इस पर बनी हुई आड़ी-तिरछी धारियां भी हरियाली और सौभाग्य का प्रतीक मानी जाती हैं।

शिव ने पार्वती को दिया था वचन

मिस तीज की विजेता रही दिव्या सैनी ने बताया- तीज सावन में मनाया जाता है। सावन में महिलाएं लहरिया पहनती है। इस दिन भगवान शिव ने माता पार्वती को शादी का वचन दिया था। इसी खुशी में तीज को मनाया जाता है। इस दिन महिलाएं सोलह श्रृंगार कर लहरिया पहनती है, झूला झूलती है और डांस करती है।

पत्रकार कॉलोनी में भी महिलाओं ने हरियाली तीज को सेलिब्रेट किया। इस मौके पर महिलाओं ने लहरिया ओढ़ा और सोलह श्रृंगार कर सावन के गीतों पर नृत्य किया।

ट्रैक टाइटंस ने जीती VO ऑफिसर्स चैंपियनशिप 24

बेधड़क. जयपुर। उत्तर-पश्चिम रेलवे जयपुर मंडल की तरफ से रेलवे ग्राउंड पर डिवीजन स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा प्रथम वॉलीबॉल ऑफिसर्स चैंपियनशिप 2024 आयोजित की गई। जयपुर मंडल पर प्रथम बार इस तरह के टूर्नामेंट का आयोजन किया गया है। इस टूर्नामेंट में जयपुर मंडल के सभी अधिकारियों ने भाग लिया। मंडल वाणिज्य प्रबंधक जयपुर कृष्ण कुमार मीना ने बताया कि चैंपियनशिप में कुल 6 टीमों ने भाग लिया,जो की सिग्नल स्मेशर्स, ट्रेक्शन टोरनाडो, ट्रैक टाइटंस, जनरल ग्लेडिएटर्स, स्टेशन स्ट्राइकर्स व मशीन मास्टर्स है। इसमें मुख्य भूमिका डीआरएम व जेडीएसए के प्रेसिडेंट विकास पुरवार और सीनियर डीएसटीई और जेडीएसए के खेल सचिव किशन स्वरूप ने निभाई। फाइनल मैच जनरल ग्लेडिएटर्स एवं ट्रैक टाइटंस के मध्य खेला गया। इसमें ट्रैक टाइटंस ने 3-0 से विजय हासिल की। इस मैच में जयपुर मंडल के सभी शाखा अधिकारी उपस्थित रहे। मैच के मुख्य अतिथि डीआरएम व जेडीएसए के प्रेसिडेंट विकास पुरवार और सीनियर डीएसटीई व जेडीएसए के खेल सचिव किशन स्वरूप ने विजेता टीम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान की टीमों के सभी खिलाड़ियों को ट्रॉफिया वितरित की। फाइनल मैच में मुख्य अतिथि डीआरएम जयपुर विकास पुरवार, सीनियर डीएसटीई, सीनियर डीसीएम, सीनियर डीओएम सीनियर डीईई-टीआरडी, सीनियर डीएसओ, सीनियर डीईएन और सभी शाखा अधिकारी मौजूद थे।

ढाकाराम को 'योग रत्न' उपाधि

बेधड़क. जयपुर। राष्ट्रीय स्तर पर योग के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान के लिए योगापीस संस्थान के संस्थापक योगाचार्य ढाकाराम को मुंबई में आयोजित योग महोत्सव में योग रत्न उपाधि 2024 से सम्मानित किया गया। यह उपाधि उन्हें न्यू एज योगा संस्थान के सीईओ योगाचार्य नितिन पतकी एवं इंडियन योगा एसोसिएशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष हंसा योगेंद्र (हंसा मां) ने प्रदान की। इस वर्ष योग महोत्सव की थीम प्राणायाम और ध्यान रहा, जिसमें प्राणायाम व ध्यान के महत्त्व द्वारा व्यक्तित्व के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास के पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए हंसा मां एवं योगाचार्य ढाकाराम ने महोत्सव में उपस्थित सैकड़ों योग प्रेमियों को प्राणायाम और ध्यान के संबंध में मार्गदर्शन कर योग साधना निरंतर रखने की प्रेरणा दी।

City इवेंट्स

महिलाओं ने लगाया 'एक पेड़ मां के नाम'

बेधड़क. जयपुर। राजस्थान सरकार के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत महिलाओं ने रामबाग सर्किल स्थित एसएस जैन सुबोध पीजी महिला महाविद्यालय में पौधरोपण किया गया। प्रिंसिपल डॉ. रेनू जोशी ने बताया कि इसी क्रम में बुधवार को हरियाली तीज के शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री वृक्षारोपण अभियान के अन्तर्गत हरियालो राजस्थान व एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम आयोजित किया गया। एनएसएस प्रभारी डॉ. विजयलक्ष्मी मिश्रा, डॉ. नेहा वार्ष्णेय, डॉ. रचना नागर के अनुसार राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में एक पेड़ मां के नाम थीम पर स्टूडेंट्स को पौधे वितरित करते हुए उन्हें उनकी देखभाल का संकल्प दिलाया गया। महाविद्यालय की प्रिंसिपल, संकाय सदस्यों द्वारा तीज के उत्सव के अनुरूप पारंपरिक वेशभूषा लहरिया में हर्षोल्लास के साथ तीज मनाते हुए सघन पौधारोपण कार्य किया गया।

हिंदू सेवा मंच 11 को करेगा रुद्राभिषेक

बेधड़क. जयपुर। हिंदू सेवा मंच की तरफ से रविवार को महावीर नगर प्रथम टोंक रोड स्थित राम मंदिर में जनकल्याण के लिए शिव रुद्राभिषेक का आयोजन किया जाएगा। हिंदू सेवा मंच के अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम में संरक्षक मालवीय नगर विधायक कालीचरण सर्राफ उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर राज कुलदीप सिंह, एसके भट्ट, प्रदीप खुराना, डॉ.संजीव सिंघल, संत कुमार शर्मा, श्याम बिहारी अग्रवाल, राम पुरुषवानी, डीडी गर्ग, पूनम तिलक, सुधा शर्मा, चंचल चार्य, नीतू गैदर, जयप्रकाश खंडेलवाल, ज्योति यादव अजय लुडिया, नरेंद्र शर्मा, ताराचंद शर्मा, रमेश शर्मा आदि उपस्थित होंगे।

'हरियालो राजस्थान' की शुरुआत

बेधड़क. जयपुर। हरियाली तीज पर 'हरियालो राजस्थान' अभियान के तहत महाराजा महाविद्यालय में बुधवार को अशोक, चन्दन, जामुन, अमरूद, वॉटल सिंदूरी, कल्पवृक्ष के पौधे लगाए गए। कार्यक्रम की शुरुआत राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा ने पौधारोपण करके की। प्राचार्य प्रो. जीपी सिंह ने महाविद्यालय में सघन पौधारोपण के लिए प्रोत्साहित किया और जल्द ही महाविद्यालय में औषधि उद्यान बनाए जाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में उप-प्राचार्य डॉ. आरके गुनसारिया, डॉ. हृषीकेश मीना, डॉ. प्रियदर्शी मीना, डॉ. अरविन्द कुमार, प्रो. एसपी सिंह, डॉ. अमित कोटिया और डॉ. सीपी सिंह, सहायक आचार्य उपस्थित थे।

बजरंग सेना के पदाधिकारियों की विशेष बैठक

गो माता को राष्ट्रमाता घोषित करने को जारी रहेगा संघर्ष

बेधड़क | जयपुर

बजरंग सेना प्रदेश कार्यालय में राष्ट्रीय प्रदेश व जिला पदाधिकारियों ने गो-माता को राष्ट्रमाता घोषित करवाने के लिए विशेष बैठक की। इस दौरान बजरंग सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष भागेन्द्र व्यास शाश्त्री के गो संसद दिल्ली में जयपुर लोकसभा क्षेत्र से गो सांसद की शपथ लेकर आने पर स्वागत किया गया।

साथ ही डॉ. सौम्या राजोरिया का बजरंग सेना में महिला गो रक्षा दल राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष बनने पर स्वागत किया गया। इस मौके पर सबने संकल्प लिया कि बजरंग सेना का गो-माता को राष्ट्रमाता घोषित करने के लिए संघर्ष निरंतर जारी रहेगा। रेवाड़ी जिले के गो रक्षक सोनू सरपंच को 2 मिनिट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गई। मांग की गई कि गोरक्षकों को मारने वाले तस्करों को सरकार कठोर दंड दे व गोरक्षकों के परिवार को मुआवजा व सरकारी नोकरी दी जाए। बैठक में बजरंग सेना के राष्ट्रीय प्रमुख अशोक शर्मा, राष्ट्रीय सचिव नरेंद्र व्यास, राष्ट्रीय संगठन मंत्री जगदीश सैनी,राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष गोरक्षा दल पृथ्वीराज यादव, युवामोर्चा प्रदेश अध्यक्ष मनदीप सिंह, युवामोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष विक्रम सिंह करीरी, प्रदेश महासचिव सुशील तिवाड़ी, प्रदेश संयोजक भागीरथ सेनी, प्रदेश उपाध्यक्ष स्योजी लाल सैनी, जिला महामंत्री युवा मोर्चा अजय कुमार सेनी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे ।

नेशनल हैण्डलूम डे पर फैशन शो का आयोजन

रैंप पर हैंडवूवन डेनिम, कोटा डोरिया-शिफॉन के ट्रेंडी वियर

बेधड़क | जयपुर

नेशनल हैण्डलूम डे पर टैक्स्टाइल मिनिस्ट्री और वीवर सर्विस सेंटर जयपुर की ओर से फैशन शो का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने फैशन में भारतीय हैंडलूम की समृद्ध विरासत और उनमें नए क्रिएटिव इनोवेशन को प्रेजेंट करते हुए 'अतिबाना' कलेक्शन शोकेस किया। इस कलेक्शन में 11 गारमेंट थे, जिसे कॉलेज के स्टूडेंट्स ने ही डिजाइन किया था। यह कलेक्शन क्राफ्टमैनशिप और आधुनिकता दोनों को रीप्रेजेंट करती है। इस कलेक्शन में वीवर सर्विस सेंटर के बुनकरों द्वारा तैयार किए गए हैंड वूवन डेनिम से बने आउटफिट शामिल थे। इस गारमेंट की मेकिंग में एक्स्ट्रा वेब डेनिम का प्रयोग करते हुए ट्रेडिशनल हैंडलूम टेक्निक्स का उपयोग करके डिजाइन किया गया है और इसे पावर लूम पर कॉपी नहीं किया जा सकता।अतिबाना कलेक्शन में 11 आउट फिट शामिल हैं, जिसमें हैंड वूवन डेनिम के साथ कोटा डोरिया, शिफॉन, लिनन और कॉटन जैसे फैब्रिक के साथ बनाया गया है और उन्हें आधुनिक सिल्हूट में परिवर्तित किया गया है। इस कलेक्शन को आर्च कॉलेज के फैशन डिपार्टमेंट के स्टूडेंट्स भावना रामराख्याणी, देविका डूडी, अनुष्का खेमानी, देवाक्षी लडिवाल, ईशा दुबे, मानसी अग्रवाल, प्रीति धनखड़, कृति व्यास, श्वेता मेहता और कल्पना सिंह ने डिजाइन किया है।

अपकमिंग इवेंट | **डिजास्टर मैनेजमेंट वर्कशॉप में दी जाएगी प्रैक्टिकल ट्रेनिंग भी देंगे**

नेशनल एक्सपर्ट बताएंगे आपात से बचने के तरीके

बेधड़क | जयपुर

दी इम्पलायर एसोसिएशन ऑफ राजस्थान और सेफ्टी प्रोफेशनल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से 9 अगस्त को फायर और डिजास्टर मैनेजमेंट वर्कशॉप होने जा रहा है। इस वर्कशॉप में इंडस्ट्रीज, होटल्स, इंस्टीटयूशन, यूनिवर्सिटी, कॉलेज, कोचिंग सेंटर से जुड़े लोग शामिल होंगे। वर्कशॉप में एक्सपर्ट किसी भी आपात से बचने उसके कारणों और निदानों पर विशेष चर्चा करेंगे।

दी इम्पलायर एसोसिएशन ऑफ राजस्थान के प्रेसिडेंट एनके जैन ने बताया- राजस्थान में फायर से लेकर डिजास्टर की जो समस्याएं हैं, उन्हें लेकर एक वर्कशॉप प्लान किया गया है। राजस्थान में टेंपरेचर बहुत ज्यादा हो जाता है। कई बार टेंपरेचर 48 से 50 डिग्री तक चला जाता है। इस बार तो कई इलाकों में 52 डिग्री तक टेंपरेचर चला गया, जिसकी वजह से आग लगने के हादसे बहुत हो रहे हैं। पहले भी हमने देखा है, बहुत से इंडस्ट्री में, इमारतों में, वेयर हाउस के अंदर और कई कोचिंग सेंटर में आग लगी। इससे कई गंभीर हादसे हुए। इन हादसों से बचने के इस तरीके की बिल्डिंग में प्रोपर इंतजाम नहीं हो पाते हैं।

अवेयरनेस प्रोग्राम चलाएंगे

बारिश से भी कई हादसे हो रहे है। बिल्डिंग के बेसमेंट में पानी भर रहे हैं। इससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। इस तरीके के हादसे चाहे वह बाढ़ से हो या आग से इन सबके लिए लोगों में अवेयरनेस जरूरी है। उस अवेयरनेस के लिए हम एक कॉन्फ्रेंस भीलवाड़ा में करने जा रहे हैं। भीलवाड़ा में इस कॉन्फ्रेंस को करने का मुख्य कारण है कि वहां टैक्स्टाइल इंडस्ट्री बहुत ज्यादा है। आप जानते हैं कि जो टैक्स्टाइल इंडस्ट्री का रॉ मैटेरियल है, उनसे हादसे की संभावना ज्यादा होती है। यह अवेयरनेस प्रोग्राम पूरे राजस्थान के लिए किया जा रहा है। इसमें नेशनल लेवल के स्पीकर आएंगे, जो की इंडस्ट्री के लोगों को प्रैक्टिकल ट्रेनिंग भी देंगे। प्रेजेंटेशन के जरिए इन हादसों से बचने के उपाय भी बताएंगे।

जो भलाई करना चाहता है, वह द्वार खटखटाता है;
और जो प्रेम करता है,उसे द्वार खुला मिलता है।

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

ईरानी हमले से निपटने को यहूदी देश में बड़ी तैयारी

इजराइली नेताओं के लिए बंकर, अस्पतालों में ब्लड बैंक...

एजेंसी | तेल अवीव

ईरान के हमले के अंदेशे के बीच इजरायल युद्ध से निपटने के लिए तैयारी कर रहा है। इसमें ब्लड और भूमिगत बंकर बनाने के साथ ब्लैकआउट का अभ्यास शामिल है। हमास चीफ और हिजबुल्लाह कमांडर की हत्याओं के बाद ईरान और इजराइल फिलहाल युद्ध के कगार पर खड़ा हैं।

इजराइल को ईरान और हिजबुल्लाह की ओर से दोतरफा हमले का अंदेशा है। ऐसे में इजराइल में ईरान के हमले में लोगों के घायल होने की स्थिति और युद्ध लंबा चलने पर बनने वाली स्थिति से निपटने की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइली एजेंसी शिन बेट ने यरुशलम के नीचे एक बंकर तैयार किया है, जिसमे देश के शीर्ष नेताओं को रखकर सुरक्षा दी जा सकती है। इसे मिसाइल हमलों से बचने में सक्षम बनाया गया है। अगर ईरान के हमले से टेलीफोन लाइनें, सेल सेवा और इंटरनेट नष्ट हो जाए तो संपर्क करने के लिए सरकारी अधिकारियों को सैटेलाइट फोन भी दिए गए हैं। इजराइल के अस्पताल भी हाई अलर्ट पर हैं और किसी हमले के बाद की स्थिति से निपटने की तैयारी कर रहे हैं। एक मोटरसाइकिल ग्रुप बनाया गया है, जो संरक्षित ब्लड बैंक वॉल्ट से देश भर में रक्त पहुंचाएगा। अस्पताल भी साइबर हमलों और लंबे समय तक बिजली ना रहने के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं।

ईरानी फौज को मिसाइल लॉन्चर ले जाते और सैन्य अभ्यास करते देखा

अमेरिका के कुछ अफसरों के हवाले से सामने आई एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरानी फौज को मिसाइल लॉन्चर ले जाते और सैन्य अभ्यास करते देखा गया है। इसे ईरान की इजराइल पर हमले की तैयारी की तरह देखा जा रहा है। वाइट हाउस के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की है कि राष्ट्रपति बाइडेन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों ने मिसाइल हमले के बारे में जानकारी दी है। अमेरिका अपने ठिकानों या सहयोगियों पर किसी भी लक्ष्य का जवाब देने के लिए एक कॅरिअर स्ट्राइक ग्रुप, अतिरिक्त युद्धपोत और एक लड़ाकू स्क्वाड्रन पश्चिम एशिया में भेज रहा है।

बिजली गुल होने पर कैसे निपटा जाएगा

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बिजली के बुनियादी ढांचे को नुकसान होने से देश 24 से 48 घंटों तक बिजली से वंचित रह सकता है। इससे देश का कम से कम 60 प्रतिशत हिस्सा प्रभावित हो सकता है। ऐसी स्थिति के लिए भी तैयारी की जा रही है। पश्चिम एशिया के विशेषज्ञ डॉक्टर अनाहिता मोताज का कहना है कि ईरान अकेले हमला नहीं करेगा, बल्कि उसकी प्रतिक्रिया बहुमोर्चे पर होगी। ईरान के साथ हिजबुल्लाह और हूती विद्रोही भी ईरान के साथ ही इजरायल को निशाना बना सकते हैं।

खान यूनिस का कसाई सिनवार बना हमास चीफ

■ 8 साल से अंडरग्राउंड, आधी जिंदगी जेलों में गुजारी

गाजा। इस्माइल हानियेह की मौत के बाद याह्या सिनवार को हमास का चीफ बनाया गया है। हमास ने मंगलवार को एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। इससे पहले याह्या सिनवार सिर्फ गाजा में हमास की कमान संभाल रहा था। हानियेह जहां कतर से संगठन को ऑपरेट कर रहा था, वहीं, सिनवार गाजा में ही रहता है। साल 2017 में जब उसे गाजा का चीफ बनाया गया था, तब से वह कभी भी सामने नहीं आया है। सिनवार की हमास पर काफी मजबूत पकड़ है। एक जुलाई को तेहरान में हानियेह के ठिकाने पर मिसाइल से हमला किया गया था। इसमें हानियेह और उसके एक बॉडीगार्ड की मौत हो गई थी। हानियेह की अगुआई में ही हमास ने पिछले साल 7 अक्टूबर को इजराइल पर 75 सालों का सबसे बड़ा हमला किया था। इसमें 1,200 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। सिनवार इसका मास्टरमाइंड था।

सिनवार ही क्यों चुना हमास का चीफ

आमतौर पर किसी चीफ के मरने के बाद उनकी जगह डिप्टी चीफ लेता है, लेकिन हमास के डिप्टी चीफ रहे सालेह अल-अरूरी की हत्या इसी साल जनवरी में हो गई थी। इजराइली सेना ने एक ड्रोन हमले में हमास के नंबर-2 नेता को मार दिया था। हमास के पॉलिटिकल विंग में नंबर-1 और नंबर-2 दोनों की कुर्सी खाली हो गई थीं। फिलहाल, हमास में कोई ऐसा नेता नहीं है, जो इजराइल की जंग का गाजा की स्थिति को सिनवार से बेहतर समझ सके। ऐसे में उसे चीफ बनाया गया है। अब सिनवार ही बंधकों की रिहाई और सीजफायर से जुड़े अहम फैसले लेगा।

1989 में गिरफ्तार किया गया

दो इजरायली सैनिकों और चार फिलिस्तीनियों का अपहरण और उनकी हत्या करने के आरोप में सिनवार को 1989 में गिरफ्तार किया गया था। उस वक्त याह्या की उम्र 19 साल थी। मुकदमा चला। बाद में उसे चार आजीवन कारावास की सजा सुनाई गईं। हालांकि, 2011 में इजराइली सैनिक गिलाद शालिट के बदले में 1000 से ज्यादा कैदियों की अदला-बदली के दौरान सिनवार को भी रिहा कर दिया गया था। तब तक सिनवार करीब 22 साल जेल में बिता चुका था।

सुलेमानी का बदला लेने को ईरानी-पाकिस्तानी षड्यंत्र, 5K डॉलर की सुपारी...

ट्रंप के मर्डर की साजिश

एजेंसी | वाशिंगटन

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित कई कद्दावर नेताओं की हत्या की साजिश का भंडाफोड़ हुआ है। कहा जा रहा है कि अमेरिका में हाई प्रोफाइल किलिंग को अंजाम देने की स्क्रिप्ट ईरान में लिखी गई थी और इसके लिए पाकिस्तान के एक शख्स को हायर किया गया था। अमेरिकी न्याय विभाग ने इन हाई प्रोफाइल हत्याओं की साजिश रचने के मामले में पाकिस्तान के 46 साल के शख्स आसिफ मर्चेंट को गिरफ्तार किया है। उस पर इन हत्याओं को अंजाम देने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। एफबीआई के डायरेक्टर क्रिस्टोफर रे ने इसे ईरान की साजिश का हिस्सा बताया है। न्याय विभाग के मुताबिक मर्चेंट एक खास मकसद से पाकिस्तान से अमेरिका गया था, लेकिन अमेरिका पहुंचने से पहले उसने कुछ समय ईरान में बिताया था। आसिफ जून में न्यूयॉर्क गया था, जहां उसे इन हाई प्रोफाइल हत्याओं की सुपारी देने के लिए एक शख्स से मिलना था। आसिफ ने इसके लिए दो सुपारी किलर्स को 5000 डॉलर की पेमेंट भी की थी, लेकिन जिन्हें सुपारी दी गई, वे असल में अंडरकवर एजेंट थे।

अमेरिका छोड़ते समय धरा आसिफ

रिपोर्ट के मुताबिक सुपारी के बाद जैसे ही आसिफ ने अमेरिका से रवाना होने की कोशिश की तब उसे गिरफ्तार कर लिया गया, उसने किलर्स से कहा था कि पाकिस्तान पहुंचने के बाद वह जिनको मारना है, उनके नाम बताएगा। सूत्रों के मुताबिक न्याय विभाग ने आसिफ पर आरोप लगाते समय ट्रंप के नाम का उल्लेख नहीं किया, लेकिन जिन लोगों को निशाना बनाया जाना है, उनमें ट्रंप शामिल हैं।

ट्रंप पर हुआ था हमला

अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में पिछले महीने एक चुनावी सभा को संबोधित करने के दौरान ट्रंप पर ताबड़तोड़ गोलियां चली थी। एक गोली ट्रंप के दाहिने कान के ऊपरी हिस्से को छूकर निकली थी। ट्रंप के कान से खून छलछला उठा, तभी सिक्योरिटी गार्ड्स आए और उन्होंने ट्रंप को चारों तरफ से घेरकर घटनास्थल से निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया था। वहीं, सीक्रेट सर्विस के ने हमलावर को मौके पर मार गिराया। ट्रंप पर हमला करने वाले हमलावर की पहचान 20 साल के थॉमस मैथ्यू क्रूक्स के तौर पर की गई थी।

बेकाबू बांग्लादेश

भीड़ ने की 50 पुलिसकर्मियों की हत्या

■ अवामी लीग के दो सांसदों सहित 100 से अधिक नेताओं के घरों पर हमले

एजेंसी | ढाका/नई दिल्ली

बांग्लादेश में हिंसक सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफा देकर देश छोड़ देने के कारण कानून प्रवर्तन और पुलिस व्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई है तथा प्रदर्शनकारी शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग से जुड़े लोगों को लगातार निशाना बना रहे हैं। मीडिया में बुधवार को आई रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले दो दिन में हिंसक भीड़ ने लगभग 400 थानों पर हमले किए हैं और कम से कम 50 पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी। हालात ये हैं कि देश के कई थानों एक भी पुलिसकर्मी नहीं है।

भयभीत वरिष्ठ अधिकारी हुए भूमिगत

इस बीच, प्रदर्शनकारियों ने लालमोनिरहाट जिले में अवामी लीग के दो सांसदों और 100 से अधिक समर्थकों के घरों पर हमले किए। हसीना के निर्वासन का जश्न मनाने के लिए निकाले गए जुलूस के दौरान लालमोनिरहाट-1 के सांसद एवं जिला अवामी लीग के अध्यक्ष मोताहर हुसैन और लालमोनिरहाट-3 के सांसद एवं जिला अवामी लीग महासचिव मोतिहार रहमान सहित कई नेताओं के घरों पर भी तोड़फोड़ की गई। 'ढाका ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के अनुसार पिछली सरकार के करीबी माने जाने वाले अधिकांश वरिष्ठ अधिकारी भूमिगत हो गए हैं।

भारत से फिनलैंड जाएंगी शेख हसीना!

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का फ्यूचर प्लान क्या है। मीडिया रिपोर्ट्स में उनके यूरोपीय देश जाने का दावा किया जा रहा था। शेख हसीना के शरण के लिए फिनलैंड को एक विकल्प के रूप में माना जा रहा है, लेकिन फिनलैंड के मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। शेख हसीना फिलहाल भारत में हैं, और हिंडन एयर बेस पर सेफ हाउस में रह रही हैं।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl